www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 116 || लखनऊ
रविवार
26 जुलाई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:27
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 29°00

» पेज 07

विशेष समाचार | जंतर-मंतर पर नागरिक विरोध... » पेज 04 | गुरु पूर्णिमा मेले में 450 से... » पेज 06 | प्रोटेस्ट पर सवाल पूछे जाने पर...

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ■ 12 साल में विरोध के चलते इस्तीफा देने वाले पहले मंत्री

झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए...

धर्मेंद्र 'प्रस्थान'

“ तीनों मांगें पूरी — 1 प्रधान का इस्तीफा — 2 प्रदर्शनकारियों से केस वापस — 3 नीट पीड़ितों को मुआवजा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। NEET पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही है।

इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा- वे कहते थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

प्रधान ने इस्तीफे को लेकर चिट्ठी पोस्ट की। दो पेज और 575 शब्दों में लिखी इस चिट्ठी में प्रधान ने बाकी बातों के साथ दो जगह युवाओं को भ्रमित करने की बात भी लिखी। चिट्ठी का यह हिस्सा नीचे हाइलाइट किया गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं।

रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं। इनमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं और नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल हैं।

इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न का माहौल है। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया।

वांगचुक बोले- ये लोकतंत्र की जीत

सोनम वांगचुक ने अस्पताल से किए पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, प्रत्यक्ष लोकतंत्र... सड़कों से मिली जीत। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। CJP और GenZ को बधाई। देश के हर कोने से उठ खड़े होने के लिए सभी नागरिकों को धन्यवाद।

'कॉकरोच एक बार घुसता है तो निकलता नहीं'

जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके ने कहा- मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगे हैं। हम ऐसे नहीं जाएंगे। कॉकरोच एक बार घुसता है, तो निकलता नहीं। जिन बच्चों ने सुसाइड किया, उनके परिवार को एक करोड़ मुआवजा मिले। पुलिसवालों पर एक्शन हो। CJP ने सोशल मीडिया पर कहा- कॉकरोच की जीत हुई।

“ धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा मंजूर हो गया है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है इस इस्तीफे के बाद गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी प्रधान के घर उनसे मिलने पहुंची हैं।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के 47 अफसर बर्खास्त हुए थे

शुक्रवार रात NEET पेपर लीक मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) के 47 अधिकारी बर्खास्त किए गए थे। बर्खास्त अधिकारियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज करने की बात भी कही गई। एक दिन पहले सरकार ने गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय के दो सचिवों को बदला था।

भाजपा कहती थी, हमारे यहां इस्तीफे नहीं होते : दीपके

जून 2015 में तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि हमारे यहां इस्तीफे नहीं होते हैं। यह UPA सरकार नहीं है। दरअसल, भाजपा सरकार पर भगोड़े ललित मोदी की गुपचुप तरीके से मदद करने के आरोप लगे थे। तब सुषमा स्वराज विदेश मंत्री थीं। कांग्रेस ने कहा कि ललित मोदी एक भगोड़ा अपराधी है, लेकिन सरकार उसकी मदद कर रही है। ऐसे में विदेश मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

प्रह्लाद जोशी देश के नए शिक्षा मंत्री बने

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी जोशी देश के अगले शिक्षा मंत्री होंगे. उन्हें फिलहाल शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है. प्रह्लाद जोशी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं. वे कई बार लोकसभा के लिए चुने जा चुके हैं और केंद्र सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं.

» (शेष पेज 06 पर)

भागवत के बयान के बाद आया इस्तीफा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार सुबह दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा था, 'हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।' भागवत ने कहा था- आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। भागवत का बयान आने के बाद ही धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की वजह बनीं अहम घटनाएँ

- **3 मई:** NEET-UG 2026 परीक्षा हुई, प्रश्न पत्र लीक होने के आरोप लगे
- **12 मई:** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द की; सरकार ने CBI जाँच के आदेश दिए
- **20 जून:** CJP ने जंतर-मंतर पर प्रधान के इस्तीफ़े की माँग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया
- **21 जून:** NEET-UG की दोबारा परीक्षा आयोजित की गई
- **28 जून:** सोनम वांगचुक आंदोलन में शामिल हुए, भूख हड़ताल शुरू की
- **18 जुलाई:** वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया; विरोध प्रदर्शन तेज़ हुए
- **20 जुलाई:** संसद तक मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई से और ज़्यादा नाराज़गी फैली
- **24 जुलाई:** वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल खत्म की
- **24 जुलाई:** केंद्र ने CJP नेताओं के साथ बातचीत की, कैबिनेट ने नकल-रोधी सख़्त बिल को मंज़ूरी दी
- **25 जुलाई:** धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफ़ा दिया

प्रधान करप्शन का सिंबल : राहुल

एजुकेशन सिस्टम खोखला कर दिया ■ सरकार इसे बदलने के लिए कदम उठाए

'प्रधान क्रिमिनल शिक्षा मंत्री'

प्रेस वार्ता

■ राहुल ने कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्हीं की वजह से हजारों लोग सड़कों पर हैं।' उन्होंने छात्र के हाथ, पीठ और छाती में लगे घाव को दिखाया। राहुल ने कहा, 'मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था।'

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा- प्रधान को तो जाना ही था। अच्छा है चला गया। वो भ्रष्टाचार का सिंबल है। उसने देश के एजुकेशन सिस्टम खोखला कर दिया। मेरी तरफ से छात्रों को जो सपोर्ट चाहिए हम तैयार हैं। हम छात्रों और उनके भविष्य को बचाने के लिए खड़े हैं।

»(शेष पेज 06 पर)

साहिल की रोशनी लौटने की सिर्फ 1% संभावना

राहुल ने जिस छात्र की चोट दिखाई। उसका नाम साहिल लोचाब है। वह 19 साल का है और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ का रहने वाला है।

20 जुलाई को जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट के दौरान पुलिस की पैलेट गन से इनकी दाहिनी आंख की रोशनी चली गई थी। AIIMS के जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में सर्जरी हुई है।

परिवार के मुताबिक, डॉक्टरों ने बताया है कि घायल आंख की रोशनी लौटने की सिर्फ 1% संभावना है, क्योंकि आंख की पुतली को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

फिर 3 मांगें दोहराईं

- राहुल ने कहा कि छात्रों की 3 मांगें हैं। इन तीनों से कोई समझौता नहीं होगा।
- पहली- छात्रों की मांग साफ है कि धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए।
- दूसरी मांग- छात्रों पर कार्रवाई करने वाले दिल्ली पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। छात्रों के खिलाफ पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया।
- तीसरी- पीएम नरेंद्र मोदी को छात्रों पर हुए हमले के लिए माफी मांगनी चाहिए।
- राहुल ने पास खड़े छात्रों से कहा कि उन्हें उन पर गर्व है। ये छात्र डरने वाले नहीं हैं और वे देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हमें कॉकरोच कहने के लिए सीजआई का शुक्रिया : दीपके वरना आज प्रधान का इस्तीफा न होता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रधान के इस्तीफे लिए दीपके ने CJI सूर्यकांत का शुक्रिया अदा किया। दीपके बोले- अगर आपने हमें कॉकरोच न कहा होता, तो युवा सड़कों पर नहीं होते। प्रधान ने इस्तीफा न दिया होता। अभिजीत ने यह भी कहा- हम कॉकरोच हैं। एक बार घुस जाएं, तो आसानी से निकलते नहीं। अभी सिर्फ एक इस्तीफा हुआ है। कॉकरोच से पंगा मत लो। दरअसल, यह पूरी कहानी 72 दिन पहले CJI सूर्यकांत की मौखिक टिप्पणी से शुरू हुई थी। 15 मई को सुप्रीम कोर्ट में CJI की बेंच एक वकील की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने कहा था- कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। कॉकरोच वाली टिप्पणी ने ही अनजाने में इस आंदोलन को इसकी पहचान देने वाला प्रतीक दिया था। विरोध का मज़ाक उड़ाने के लिए इस्तेमाल शब्द को छात्रों ने अपना लिया। सोशल मीडिया पर कॉकरोच इमोजी की बाढ़ आ गई, रातों-रात मीम्स बनने लगे, कलाकारों ने कार्टून बनाए और कैंपस में व्यंग्यात्मक पोस्टर घूमने लगे।

अभिजीत दीपके

40 साल में प्लेन की सीटों का गैप 4-इंच घटा

नई दिल्ली। एविएशन इंडस्ट्री की कई रिपोर्ट्स और एयरलाइंस के सीट मैप के एनालिसिस के मुताबिक 1980-90 के दशक में इकोनॉमी क्लास में सीटों के बीच की दूरी (सीट पिच) 34-35 इंच होती थी।

आज अधिकांश एयरलाइंस में यह 30-31 इंच रह गई है। भारत में लो-कॉस्ट एयरलाइंस में यह अंतर 28-29 इंच है। पिछले चार-पांच दशक में दुनिया भर में एयरलाइंस ने सीटों की जगह लगातार घटाई है, जबकि इसी दौरान लोगों की औसत मोटाई बढ़ी है।

यानी औसतन 4-7 इंच लेगरूम कम हो गया। वहीं सीटों की चौड़ाई भी घटकर 18 से 16.5 इंच तक कर दी गई है। पहले सीट की चौड़ाई 19 इंच तक होती थी। साइंस मैग्जीन अप्लाइड एर्गोनॉमिक्स और एसएई इंटरनेशनल के अनुसार 4 दशकों में इंसानों के बैठने पर औसत चौड़ाई (मोटापा) लगभग 8-13 फीसदी बढ़ी है।

आगरा में बनेगा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : योगी

बहन-बेटियों पर नजर रखने वाले जहन्नुम में, सैफई सिंडीकेट करता था लूट-खसोट

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में सीएम योगी ने कहा- आगरा में एयरपोर्ट ही नहीं बनेगा कि बल्कि हम यहां पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में बहन-बेटियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग बहन-बेटियों या व्यापारियों पर बुरी नजर डालते हैं, उनकी जगह या तो जेल में है या फिर जहन्नुम में। साल 2017 से पहले प्रदेश में आम जनता की समस्याओं पर सुनवाई नहीं होती थी। उस समय सैफई सिंडीकेट जनता की मेहनत की कमाई की लूट-खसोट में लगा रहता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पर लगी विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

342 करोड़ से अधिक लागत की 53 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

2017 से पहले जनता की सुनवाई नहीं होती थी- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि साल 2017 से पहले प्रदेश में आम जनता की समस्याओं पर सुनवाई नहीं होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय सैफई सिंडीकेट जनता की मेहनत की कमाई की लूट-खसोट में लगा रहता था। वर्तमान सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि अब शासन की प्राथमिकता जनता को पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

» (शेष पेज 06 पर)

हथियारबंद बदमाशों ने बंधक बनाकर व्यापारी को लूटा

पति-पत्नी और बेटी के सिर पर किया ताबड़तोड़ वार, घटना छिपाने में लगी रही पुलिस

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे घर के अंदर छुपे हथियार बंद बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने देर रात लॉकर तोड़ना शुरू किया। आवाज सुनकर परिवार के लोगों की नींद खुल गई। विरोध करने पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में परिवार के 3 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस पर मोहल्लेवाले व आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद रहीम नगर में रहने वाले बेटे दीपक गुप्ता व पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। इसके

बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां तीनों का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। बेटे दीपक का कहना है घटना के बाद से सभी अस्पताल में हैं, लूट कितने की हुई इसका आकलन नहीं किया जा सका है। व्यापारी उमेश का घर बजरंग चौराहे से 100 मीटर आगे ऑन रोड है। इसके बावजूद बदमाशों ने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया। वहीं पुलिस की गश्ती पर भी सवाल खड़े हुए हैं। सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने सभी गंभीर घायल को सरकारी अस्पताल की बजाय निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया। इसके अलावा खुद ही डिटेल नोट करके चले गए न तो मौके से कोई फॉरेंसिक टीम पहुंची न ही डॉग स्क्वाड आया। यहां तक की उच्च अधिकारियों को भी जानकारी नहीं दी। मामले में पीड़ित परिवार का कहना है घर में कितने लोग घुसे थे। इसकी जानकारी नहीं है क्योंकि वह ताबड़तोड़ परिवार पर हमला कर रहे थे। हालांकि जब उमेश की पत्नी शांति देवी को होश आया तो उन्होंने पीछे के रास्ते दो बदमाशों को भागते देखा लेकिन वह घबराहट की वजह से बाहर की तरफ मदद के लिए भाग गई। एडीसीपी ईस्ट अमोल मुरकुट ने बताया- मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश टीमें लगाई गई हैं।

तभी घात लगाए बैठे बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिरे और बेहोश हो गए। पत्नी शांति देवी की भी आंख खुल चुकी थी। उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तभी बदमाश ने उन पर भी हमला कर दिया। वह भी गश खाकर गिर गई। करीब 10 मिनट बाद पत्नी शांति को हल्का होश आया तो वह घर से बाहर निकाल कर शोर मचाना शुरू किया।

अचानक आंख खुली तो बदमाशों ने हमला कर दिया

बजरंग चौराहे अमराई गांव निवासी उमेश चंद्र (55) घर में ही परचून की दुकान चलाते हैं। पिछले 3 साल से पत्नी शांति देवी के साथ रह रहे हैं। 3 दिन पहले बेटी सीमा घर आई थी। शुक्रवार रात सभी सदस्य खाना खाकर सो गए। अचानक से तोड़फोड़ की आवाज आने लगी। जिसकी आवाज सुनकर बेटी सीमा की आंख खुल गई। वह देखने गई तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बेटी की चीख सुनकर पिता दौड़ते पहुंचे। तभी घात लगाए बैठे बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिरे और बेहोश हो गए। पत्नी शांति देवी की भी आंख खुल चुकी थी। उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तभी बदमाश ने उन पर भी हमला कर दिया। वह भी गश खाकर गिर गई। करीब 10 मिनट बाद पत्नी शांति को हल्का होश आया तो वह घर से बाहर निकाल कर शोर मचाना शुरू किया।

लखनऊ में ₹15.50 लाख की दवाएं जब्त, कई फर्म सील

क्रॉस बिलिंग और फर्जी ट्रांजेक्शन मिले, लैब भेजे गए 32 दवाओं के सैंपल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में नकली और संदिग्ध दवाओं के कारोबार पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने शनिवार को फिर कार्रवाई की। प्रशासन के मुख्यालय से बनाई गई 18 औषधि निरीक्षकों की टीम ने अमीनाबाद और आसपास के इलाकों में 13 से अधिक दवा फर्मों पर एक साथ छापेमारी की। जांच में फर्जी बिलिंग, बिना दवा के कागजी खरीद-बिक्री और क्रॉस बिलिंग के जरिए नकली दवाओं का नेटवर्क चलने के सबूत मिले। कार्रवाई के दौरान 15.50 लाख रुपए की दवाएं जब्त की गईं, कई फर्मों को सील कर दिया गया। पूरे सिंडिकेट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। FSDA की जांच में सामने आया कि कुछ थोक दवा कारोबारी और एजेंसियां बिना वास्तविक दवा की सप्लाई किए सिर्फ कागजों पर खरीद-बिक्री दिखा

रही थीं। फर्जी बिल तैयार किए जा रहे थे और कई मामलों में बैंक ट्रांजेक्शन भी नहीं किए गए। विभाग ने अशोक फार्म के संचालक सत्री, मिश्रा एसोसिएट्स के संचालक मनीष मिश्रा, भारत फार्म के संचालक देवेंद्र शुक्ला, शिव शक्ति के संचालक कपिल जैसवाल, विद्या फार्म के संचालक प्रियांशु, आरएनओ फार्म के संचालक साहिल और मीत इंटरप्राइजेज के संचालक हरप्रीत सिंह समेत कई लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

फास्ट न्यूज

सांप डसने से युवती की मौत

महिंगवां। लखनऊ के महिंगवां क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सांप के डसने से एक युवती की मौत हो गई। युवती शौच के लिए घर से निकली थी।

परिजनों ने पहले घरेलू उपचार का सहारा लिया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। माहिंगव क्षेत्र की निवासी 19 वर्षीय संगीता शुक्रवार सुबह लगभग 5:30 बजे शौच के लिए खेत की ओर गई थी। इसी दौरान उसे एक जहरीले सांप ने डस लिया।

कोर्ट मैरिज का विरोध किया तो वकीलों ने पीटा

लखनऊ। लखनऊ में छोटी बहन को कोर्ट मैरिज करने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। सिविल कोर्ट परिसर में वकीलों ने युवक, उसकी मां, बड़ी बहन और दोस्त के साथ मारपीट की। बुजुर्ग मां के सिर पर कुर्सी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया, जबकि बड़ी बहन के साथ अश्लील हरकत करने का भी आरोप है। पुलिस ने छह नामजद वकीलों समेत आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाराबंकी के नवाबगंज निवासी पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी छोटी बहन शुक्रवार को लखनऊ निवासी युवक से कोर्ट मैरिज करने वाली थी।

बारिश में कई इलाकों की घंटों गुल रही बिजली

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को मौसम बदलने के साथ कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। तेज हवा और बारिश के कारण कई जगह पेड़ बिजली लाइनों पर गिर गए और कुछ स्थानों पर बिजली के खंभे भी उखड़ गए। इससे अलीगंज, जानकीपुरम, महानगर समेत कई इलाकों की बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। लंबे समय तक बिजली नहीं आने से कई कॉलोनियों में पानी की सप्लाई भी बाधित रही, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अखिलेश के पीडीए का मतलब पीट देगा अहीर : राजभर

डिप्टी सीएम ने कहा- जब ये बोलते हैं तो सपा की लुप्प-लुप्प करती है

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव के PDA का मतलब पीट देगा अहीर या पीट देगा अल्पसंख्यक है। देवरिया में राजकुमार चौहान को पीटा, प्रयागराज में गुप्ता परिवार के 3 लोगों को पीट दिया। आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने राजभर को ऊपर पहुंचा दिया। गाजीपुर के थाने में सपा के नेताओं ने 4 साल के ब्राह्मण बच्चे को लहूलुहान कर दिया। मात्र 4 साल के बच्चे का क्या कसूर था? ओपी राजभर ने समाजवादी पार्टी पर यह टिप्पणी शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में की। यहां जेल मंत्री दारा सिंह चौहान के जन्मदिन पर वह बोल रहे थे। राजभर से पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश

पाठक ने भाषण दिया। उन्होंने कहा- ओमप्रकाश राजभर को आप लोग तो जानते ही होंगे। ये जब बोलते हैं तो समाजवादी पार्टी की लुप्प-लुप्प करती है। बहुत तगड़ा बोलते हैं। बता दें कि भाजपा जेल मंत्री दारा सिंह चौहान का जन्मदिन संकल्प दिवस के तौर पर मना रही है। इसमें डिप्टी केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, पंचायती राज मंत्री ओपी राजभर समेत कई मंत्री और 20 से ज्यादा विधायक-सांसद शामिल हुए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी हैं। ओपी राजभर ने कहा- 20 महीने पहले मैंने दारा सिंह चौहानजी के लिए एक संकल्प लिया था। हम लोग किन्हीं कारणों से घोसी चुनाव हार गए थे। उस समय बहुत से लोगों ने कहा कि अब दारा सिंह चौहानजी फेल हो गए। मैं कहता रहा कि जब तक दारा सिंह चौहान को उत्तर प्रदेश का मिनिस्टर नहीं बना दूंगा, तब तक चुनाव तक नहीं होने दूंगा। बोलो कहा था कि नहीं कहा था? कहा था। एक संकल्प मेरा यह था और संकल्प मैंने पूरा किया। चुनाव में केशव मौर्यजी, ब्रजेश पाठकजी सहित तमाम लोग लगे। मेरा संकल्प पूरा हुआ। देश के गृहमंत्री अमित शाहजी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के माध्यम से वह संकल्प पूरा हुआ। आज दारा सिंह चौहानजी के जन्मदिन के अवसर पर फिर संकल्प लेने इधर आए हैं।

युवाओं ने प्रदर्शन वाले पोस्टर फाड़े, मेलोडी टॉफी बांटी, नगीना सांसद लीड कर रहे

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ में जश्न

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ के इको गार्डन में जश्न मनाया जा रहा है। यहां ये हजारों युवा प्रदर्शन करने के लिए नगीना सांसद चंद्रशेखर की अगुआई में इकट्ठा हुए थे। CJP की तरह धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। पोस्टरों में तरह-तरह की नारेबाजी लिखकर पहुंचे थे। जैसे ही शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खबर मिली, सब जश्न मनाने लगे। कई युवाओं ने इको गार्डन में मेलोडी टॉफी बांटी। प्रदर्शन में जो पोस्टर-बैनर शिक्षा मंत्री के खिलाफ लेकर पहुंचे थे, उन्हें फाड़ डाले। एक प्रदर्शनकारी युवती ने कहा- इतना होली-दिवाली पर खुश नहीं

होती हूं, जितना आज इस इस्तीफे से हुई हूं। घर जाकर दावत होगी। इससे पहले ये लोग दोपहर 1 बजे से प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होने लगे थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाया। नारे लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खुशी मनाई। नगीना सांसद चंद्रशेखर ने कहा- CAA-NRC के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हमको रातभर पीटा था। हमारे नाखून खींच लिए थे। दांत तोड़ दिया था। रीढ़ में गैप आ गया था। हम पुलिस की बर्बरता को जानते हैं। इसीलिए इस बार छात्रों के लिए धरने पर बैठे थे। हमें उनकी चिंता थी।

जौहर यूनिवर्सिटी से पहले बुलडोजर हमारे ऊपर से गुजरेगा : चंद्रशेखर

सांसद चंद्रशेखर ने कहा- अगर रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चला तो वह हमारे ऊपर से होकर गुजरेगा।

मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी जहां 3000 बच्चे पढ़ते हैं उनके भविष्य को अंधकार में डाला जा रहा है।

वहां बुलडोजर चलाने की तैयारी है।

शिक्षा के मंदिर पर बुलडोजर नहीं चलेगा।

रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी जो कार्रवाई कर रही है, वह नियम के खिलाफ है। जब जौहर यूनिवर्सिटी का निर्माण हुआ तो वह इलाका अथॉरिटी के अंदर में नहीं आता था। बाद में परिसीमन करके उसे लिया गया तो अथॉरिटी कार्रवाई कैसे कर सकती है? जब हमारे हाथ में सत्ता आएगी तब दिखाना गुंडागर्दी करके।

आज जो धरना प्रदर्शन करने से रोकते हैं, गुंडई करते हैं, इनका ऐसा इलाज होगा कि प्रदेश छोड़कर भाग जाएंगे। हमने एक लड़ाई जीत ली है।

गाड़ी के नीचे फंसा तो 10 मीटर तक खींचता चला गया, लोग दौड़े तो भाग गया

कार से गाय के पास बैठे बछड़े को कुचला

- कार के नीचे बछड़ा बुरी तरह फंस चुका था। वह पहिये में फंसा रहा और कार आगे-पीछे की जा रही थी।
- कुछ देर में तेजी से बढ़ाकर कार वाला चला गया। बछड़े की सड़क पर उसी समय मौत हो गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज में कार से बछड़े को कुचल दिया गया। बछड़ा गाय के पास बैठा था। इस घटना में गाय के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी CCTV फुटेज सामने आई है। इसमें दिख रहा है कि ड्राइवर ने कार के अगले पहिये को बच्चे के ऊपर चढ़ा दिया। इसके बाद कुचलते हुए आगे बढ़ता गया। इस दौरान बच्चा गाड़ी के नीचे फंसा 10 मीटर तक खिंचता चला गया। उसके बाद वह गाड़ी के पिछले पहिये के नीचे आ जाता है। गाड़ी यहां भी नहीं रुकती। पिछले पहिये से भी बच्चे को कुचलकर कार निकल जाती

है। लोग कार के पीछे दौड़े तो कार ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग गया। घटना ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के जरनैलगंज की है। शुक्रवार रात 10 बजे घटना हुई। किसान सुमित अग्रवाल ने पुलिस को शनिवार दोपहर लिखित शिकायत दी। पुलिस को दी शिकाय में बताया गया है कि काले रंग की किया सेल्टोस (नंबर UP-32 NB-5552) का चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी दौरान सड़क पर बैठे एक गाय के बछड़े को कार ने कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पूरी घटना इलाके में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें एक कार सवार आता है सड़क पर बैठे जानवरों को उठने का मौका नहीं देता और गाड़ी चढ़ा देता है। किसी तरह एक गाय तो बचकर भाग जाती है लेकिन उसका बछड़ा पहिये के नीचे दब जाता है। बछड़ा एकबार ही बोल पाया लेकिन गाय लगातार चिल्लाती रही। यह सुनकर भी कार सवार गाड़ी नहीं रोकता और उसको पहिया में घसीटता हुआ लेकर चला जाता है। आसपास के लोग आते हैं लेकिन तब तक बछड़े की मौत हो चुकी होती है। मामले में पुलिस का कहना है मुकदमा दर्ज करके गाड़ी नंबर के आधार पर जांच की जा रही है।

पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर सरकार का विशेष फोकस: केशव प्रसाद मौर्य

खाद्य प्रसंस्करण से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रदेश में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करने वाला प्रमुख क्षेत्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं और उद्यमियों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के लागू होने के बाद इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा है और उद्योग को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग और प्रभावी ब्रांडिंग से उनकी गुणवत्ता, बाजार में स्वीकार्यता और निर्यात क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इसी उद्देश्य से सरकार इस क्षेत्र में

जागरूकता और तकनीकी प्रशिक्षण पर विशेष जोर दे रही है। उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों और छात्र-छात्राओं को खाद्य उत्पादों की पैकेजिंग और लेबलिंग के महत्व से अवगत कराने के लिए शनिवार को लखनऊ स्थित क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केंद्र (आर-फ्रैंक) में ₹फूड पैकेजिंग एंड लेबलिंग रेगुलेशन₹ विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के सहायक आयुक्त वी.के. पाण्डेय ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खाद्य उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग, लेबलिंग और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, गोण्डा एम.पी. सिंह ने खाद्य उत्पादों की लेबलिंग, अनिवार्य घोषणाओं, उपभोक्ता हितों और नियामकीय आवश्यकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, जनता को बेहतर बिजली देना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: मंत्री श्री ए के शर्मा

ट्रांसफार्मर बदलने में देरी और विद्युत दुर्घटनाओं पर ऊर्जा मंत्री का सख्त रुख

- सुरक्षा उपकरण के बिना शटडाउन नहीं, अधिकारियों को चेतावनी।
- कावड़ यात्रा में विद्युत सुरक्षा से कोई समझौता नहीं, लापरवाही पर तय होगी व्यक्तिगत जिम्मेदारी।
- बिल देने वाले उपभोक्ताओं को किसी भी कीमत पर परेशानी नहीं होनी चाहिए: श्री ए के शर्मा।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ स्थित संगम सभागार में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर

कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट कहा कि ऊर्जा विभाग में लापरवाही, ढिलाई और जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता की समस्याओं की अनदेखी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने ट्रांसफार्मर बदलने में हो रही अनावश्यक देरी पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि खराब ट्रांसफार्मर के कारण उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली संकट झेलना पड़े, यह किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने ट्रांसफार्मर बदलने और मरम्मत की व्यवस्था को समयबद्ध एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही वर्कशॉप में ट्रांसफार्मरों की रिपेयरिंग में बढ़ रही पेंडेंसी पर विस्तृत जानकारी तलब करते हुए इसमें तत्काल सुधार के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश में हो रही विद्युत दुर्घटनाओं पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अनेक मामलों में नीचे स्तर के अधिकारी न तो नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करते हैं और न ही घटनाओं का समय पर संज्ञान लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशैली पूरी तरह अस्वीकार्य है।

प्रदर्शन : पुलिस से नोंकझोक के बाद इको गार्डन भेजे गए, सड़क पर बैठी महिला

शिक्षक अभ्यर्थियों ने मायावती का आवास घेरा

- एक महिला अभ्यर्थी बसपा सुप्रीमो मायावती से मिलने की जिद लेकर जमीन पर बैठ गई।
- 69 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में 69 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। नौकरी की मांग को लेकर अभ्यर्थी बीएसपी प्रमुख मायावती के आवास पहुंचे और घेराव कर नारेबाजी की। इस दौरान एक महिला अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गई। पुलिस ने उसे हटाने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ी रही। प्रदर्शन के दौरान

पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारी मायावती से मिलने की मांग पर अड़े रहे। करीब 15 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक चलती रही। इसके बाद पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। करीब 35 से 40 अभ्यर्थी प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए थे। इनका आरोप था कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने उनके साथ धोखा किया। प्रदर्शनकारी ने बताया सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में 8270 सीटों के लिए एफिडेविट दाखिल किया है। जिसमें 4946 अभ्यर्थी ऐसे हैं जो इस भर्ती से तीन बार निकल चुके हैं फिर भी उनका नाम शामिल किया गया है। हमारी मांग 6800 सीटों पर पिछड़े अभ्यर्थियों को भरने की थी। मगर सरकार ने जो नई चाल चली है इसके हिसाब से 3300 अभ्यर्थियों को ही नियुक्ति मिल पाएगी।

66 प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी विजय ने कहा, हमारे साथ शुरुआत से ही धोखा हुआ है। हमारी मांग है कि शिक्षक भर्ती में हुए आरक्षण घोटाले को ठीक कर पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी दी जाए। हम कई साल से इस लड़ाई को लड़ रहे हैं। लोअर कोर्ट और हाईकोर्ट में फैसला हमारे पक्ष में आया है और अब सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है।

'6800 की जगह 3300 सीट मिल रही है'

प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्हें सिर्फ 3300 सीटें दी जा रही हैं, जबकि ऑल इंडिया स्तर पर 6800 सीटों के आरक्षण घोटाले को स्वीकार किया जा चुका है। पहली, दूसरी और तीसरी काउंसलिंग में शामिल नहीं होने वाले अभ्यर्थियों के लिए भी पद सुरक्षित रखे जा रहे हैं। जो अभ्यर्थी काउंसलिंग में नहीं आए या जॉइनिंग नहीं ले रहे हैं, उनके पदों को खाली मानकर मेरिट में शामिल किया जाना चाहिए। सरकार कोर्ट में 8200 सीटों का आंकड़ा पेश कर रही है, लेकिन जमीन पर उन्हें सिर्फ 3300 सीटों का लाभ मिल रहा है। हमारी मांग है कि 4946 पदों को घटाया जाए। जब तक यह मांग पूरी नहीं होगी।

प्रधान के इस्तीफे के बाद बांटी मिठाई

संघर्ष

सपा नेताओं और छात्रों ने मनाई खुशी, बोले- एकता की हुई जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की घोषणा होने के बाद शनिवार को मेरठ में समाजवादी पार्टी के नेताओं, छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए मिठाइयां बांटी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने इसे छात्रों के आंदोलन और लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताया।

कार्यक्रम में समाजवादी युवजन सभा और छात्र संगठनों से जुड़े नेताओं ने कहा कि पिछले कई दिनों से देशभर में छात्र शिक्षा व्यवस्था, विभिन्न भर्ती और परीक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठा रहे थे। उनका कहना था कि छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने की कोशिश की गई, लेकिन अंततः लोकतांत्रिक तरीके

से उठाई गई आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सका।

जिला पंचायत सदस्य सम्राट मलिक ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि देशभर के छात्रों, युवाओं और लोकतांत्रिक शक्तियों की एकजुटता की जीत है। उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से निर्णय लेने होंगे और शिक्षा

व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

समाजवादी पार्टी के नेता गौरव काजीपुर ने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि छात्र हितों की अनदेखी की गई तो भविष्य में भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रहेगा।

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और नारेबाजी भी की। इस दौरान उपस्थित नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन केवल इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार, छात्रों के अधिकारों की रक्षा और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

इसके साथ- साथ इस्तीफे की खबर के बाद चौधरी चरण सिंह विवि में भी छात्र नेताओं ने भी परिसर में मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज इस इस्तीफे ने यह प्रमाण दिया है कि युवा अगर एक जुट हो जाए तो वह अपनी मांगों को मनवाने के लिए कुछ भी कर सकता है।

मेडिकल की ओपीडी में पहुंचा बारिश का पानी

मरीज और तीमारदार घुटनों तक पानी में होकर पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में शनिवार को हुई बारिश ने लाला लाजपत राय स्मारक (एलएलआरएम) मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। बारिश के कुछ ही समय बाद अस्पताल परिसर जलमग्न हो गया। सबसे अधिक परेशानी ओपीडी, विभिन्न ब्लॉक और अस्पताल के अंदर आने-जाने वाले रास्तों पर देखने को मिली, जहां पानी भर जाने से मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

अस्पताल परिसर में जगह-जगह जलभराव होने के कारण मरीजों को इलाज के लिए घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा। कई बुजुर्ग मरीज, महिलाएं और बच्चों को परिजनों के सहारे पानी के बीच से निकलना पड़ा। अस्पताल पहुंचने वाले लोगों ने बताया

कि बारिश के बाद परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से हर साल यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ओपीडी के बाहर और विभिन्न विभागों के बीच बने रास्तों पर पानी भरने से मरीजों की लंबी कतारें लग गईं। कई लोग फिसलने से बाल-बाल बचे। व्हीलचेयर और स्ट्रेचर पर मरीजों को ले जाने में भी कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पानी भरने से अस्पताल आने वाले वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित रही।

फास्ट न्यूज

सरकारी मदद से मत्स्य पालक की तरक्की को लगे पंख

हरदोई। उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 30 लाख रुपये के सरकारी अनुदान और तकनीकी मार्गदर्शन से तहसील सण्डीला के युवा मत्स्य पालक अंकित विशाल ने सफलता की मिसाल पेश की है। उन्होंने 8 आधुनिक टैंकों (आरएएस) के जरिए सालाना 15 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। शनिवार सुबह 1:06 बजे सहायक निदेशक मत्स्य डॉ. मुनीश कुमार ने प्रेस नोट के माध्यम से यह जानकारी दी।

किशोरी की आत्महत्या करने के मामले में प्रेमी पर केस

हरदोई। हरदोई के शहर कोतवाली में 15 वर्षीय किशोरी की आत्महत्या के मामले में उसके प्रेमी पर कानूनी शिकंजा कस गया है। किशोरी ने अपने हाथ पर मेहंदी से प्रेमी मुकेश का नाम लिखा था। फिर इसके बाद किशोरी ने फंदा लगा लिया था। परिजनों ने उसे जीवित समझकर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां 22 जुलाई की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में शुक्रवार रात 8:12 बजे शहर कोतवाली में आरोपी मुकेश के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

महिला परिचालक के रोडवेज बस चलाने पर कार्रवाई

हरदोई। गंगा एक्सप्रेस-वे पर चलती रोडवेज बस का स्टीयरिंग महिला परिचालक को सौंपने का वीडियो वायरल होने के बाद परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हरदोई डिपो के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने मामले को गंभीर मानते हुए बस के चालक और महिला परिचालक, दोनों को तत्काल प्रभाव से ड्यूटी से हटा दिया है। साथ ही दोनों से इस मामले में जवाब भी मांगा गया है।

हत्याकांड के आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम

पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के संडीला में भट्ठा व्यवसायी शिवम जायसवाल हत्याकांड में पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। मामले के सभी पांच नामजद आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इस संबंध में सीओ संडीला संतोष सिंह ने शनिवार दोपहर 3:12 बजे जानकारी दी।

शनिवार सुबह उन्नाव के नानामऊ घाट पर गमगीन माहौल और सुरक्षा के बीच शिवम का अंतिम संस्कार किया गया। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए संडीला में पुलिस का कड़ा पहरा है। शिवम जायसवाल पर 21 जुलाई को हमलावरों ने फायरिंग की थी।

गंभीर रूप से घायल शिवम की 23 जुलाई की देर रात लखनऊ के केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।लखनऊ में पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार रात शिवम का शव

शिवम जायसवाल पर 21 जुलाई को हमलावरों ने फायरिंग की थी

उनके आवास पर पहुंचा। आक्रोशित परिजनों ने तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

मौके पर पहुंचे एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम और सीओ संडीला संतोष कुमार सिंह द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजन शांत हुए। शनिवार सुबह पुलिस बल की मौजूदगी में अंतिम यात्रा निकाली गई और नानामऊ घाट पर अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

ई-रिक्शा सवार से लूट का खुलासा

हरदोई में तीन आरोपी गिरफ्तार ■ लूटा मोबाइल और बाइक बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई की कोतवाली देहात पुलिस ने ई-रिक्शा सवार से हुई लूट का खुलासा 25 जुलाई शनिवार शाम 5 बजे कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, बवन चुंगी निवासी वीरेंद्र सिंह ने 24 जुलाई को कोतवाली देहात में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 22 जुलाई को ई-रिक्शा से जाते समय चौपाल सागर के पास मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया था।

शिकायत के आधार पर कोतवाली देहात थाने में मुकदमा दर्ज किया

गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने इसमें धारा 3(5) और 317(2) बीएनएस की बढ़ाई थी। मामले के खुलासे के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया था।

पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अटवा असिगांव, थाना कोतवाली देहात निवासी राजा (पुत्र स्व. राघवेंद्र सिंह), आकाश (पुत्र धर्मपाल) और कृष्णा शंकर (पुत्र राजाराम) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक पवन प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक पंकज कुमार, कांस्टेबल मनोज सिंह, गोविंद कुमार, सुरजीत सिंह, रिक्रूट कांस्टेबल सत्यम यादव, उमेश कुमार और ब्रजेंद्र सिंह शामिल थे।

इस कार्रवाई को मोबाइल लूट की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराधियों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

नींद की गोलियां देने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

मेरठ में 2 साल पहले बंद चुका क्लीनिक ■ अब फास्टफूड सेंटर चला रहा था

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के चर्चित सांपकांड में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। दामिनी-तुषार को नींद की गोलियां देने वाले डॉक्टर को शनिवार को हस्तिनापुर पुलिस ने अरेस्ट किया। आरोप है कि उसने बिना पर्चे के नींद की गोलियां दीं।

इन्हीं गोलियों को दूध में मिलाकर दामिनी ने पति अतुल को बेहोश किया था। इसके बाद प्रेमी तुषार और सपेरों ने जहरीले करैत सांप से डसवाकर अतुल की हत्या कर दी। अब पुलिस इस मामले में धाराएं बढ़ाने की तैयारी कर रही है, जबकि स्वास्थ्य विभाग भी डॉक्टर की जांच करेगा।

झोलाछाप डॉक्टर पहले क्लीनिक

चलाता था। एक महिला की मौत के बाद उसे क्लीनिक बंद करना पड़ा था। फिलहाल वह फास्टफूड सेंटर संचालित कर रहा था। पुलिस अब पूरे षड्यंत्र में उसकी भूमिका और अन्य कानूनी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

आरोपी डॉक्टर रोहित हस्तिनापुर तुषार पायला के घर में किराए पर रहता था। इसी दौरान दोनों में दोस्ती

तुषार का किराएदार था डॉक्टर रोहित

हुई। शुरुआत में तुषार ने नींद नहीं आने की बात कहकर रोहित से गोलियां लीं। बाद में हत्या की साजिश के तहत उसने 10 से ज्यादा गोलियां लेकर दामिनी को दीं, जिनका इस्तेमाल अतुल को बेहोश करने में किया गया।

दो साल पहले गलत इंजेक्शन लगाने के बाद बंद हो गया था क्लीनिक

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी डॉक्टर रोहित हस्तिनापुर के बंगाली बाजार में क्लीनिक चलाता था। करीब दो-तीन साल पहले एक महिला को गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगा था। उस घटना के बाद काफी हंगामा हुआ और क्लीनिक बंद हो गया।

तब से उसका क्लीनिक संचालित नहीं हो रहा था। ये क्लीनिक भी किराए की बिल्डिंग में चल रहा था। क्लीनिक बंद होने के बाद रोहित ने इसमें फास्टफूड की दुकान खोल ली थी। अब रोहित इसी इमारत में फास्टफूड सेंटर चला रहा था। यहां उसने एक शेफ भी रखा था।

बाद में खोल ली फास्टफूड की दुकान

पुलिस के मुताबिक, रोहित पहले हस्तिनापुर के बंगाली बाजार में किराए की बिल्डिंग में क्लीनिक चलाता था। करीब दो साल पहले हस्तिनापुर के ई-ब्लॉक निवासी निशा को ग्लूकोज चढ़ाने के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद हंगामा हुआ और क्लीनिक बंद करना पड़ा। परिवार ने झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाना, स्वास्थ्य विभाग और मुख्यमंत्री पोर्टल तक शिकायत की थी।

हालांकि उस समय पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की थी। इसके बाद उसी जगह उसने फास्टफूड सेंटर खोल लिया।

सुखेता नदी में मिला अज्ञात युवक का शव

पसिगवां गांव में मछुआरों ने देखा, शिनाख्त का प्रयास जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के पसिगवां गांव में शनिवार दोपहर सुखेता नदी में एक अज्ञात युवक शव उतराता हुआ मिला। शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

मछुआरे नदी में मछलियां पकड़ रहे थे, तभी उन्हें बड़ी घास में फंसा एक शव दिखाई दिया। मछुआरों ने तुरंत ग्रामीणों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों की सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव की शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शुभारंभ : विधायक रानू ने किया शुभारंभ, बोले- बदल रही बेसिक शिक्षा की तस्वीर

हरदोई के स्कूल में स्मार्ट क्लास शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शनिवार को स्मार्ट क्लास और नए फर्नीचर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सवायजपुर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक रानू ने फीता काटकर स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी विद्यालयों को गोद लेकर उनकी स्थिति सुधारने में लगे हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्मार्ट क्लास और आधुनिक फर्नीचर जैसी सुविधाएं बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सांडी विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय सनफरा में कार्यक्रम हुआ। विधायक और ब्लॉक प्रमुख अनिल सिंह राजपूत ने मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण किया। बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, नाटक और लोकगीत प्रस्तुत किए। बाल वाटिका के बच्चों की भक्ति गीत पर प्रस्तुति और बाल बटालियन की पीटी का प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा। अतिथियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया।

विधायक रानू ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए तकनीक के उपयोग को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाओं से बच्चों की पढ़ाई अधिक रोचक और प्रभावी बनेगी। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास करने की अपील भी की।

कार्यक्रम का संचालन अजीत शुक्ल ने किया। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार सिंह ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यालय के विकास में सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, विधायक प्रतिनिधि रजनीश त्रिपाठी, जिला आपूर्ति अधिकारी दिलीप कुमार, खंड विकास अधिकारी अस्मिता सेन, भाजपा नेता दीपांशु सिंह, प्रधान प्रतिनिधि जयराम राजपूत, एआरपी आदर्श अवस्थी, प्रभाकर मिश्र, शेरपाल, मोहम्मद इरफान, रामबरन वर्मा, शिक्षक पुष्पेंद्र शुक्ल, रसूल अहमद, रमेश कुमार, जावेद आलम, अनुराग तिवारी, नवनीत कुमार, संतोष, राखी श्रीवास्तव, शुभा वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और ग्रामीण उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज के बाहर पति-पत्नी का झगड़ा

पति से हाथ जोड़कर बड़ा बेटा मांगती रही पत्नी, 3 महीने से अलग रह रहे दोनों

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शनिवार दोपहर मेडिकल कॉलेज के बाहर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। एक महिला ने अपने पति से बड़े बेटे को वापस देने की गुहार लगाई। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया। घटना दोपहर करीब 3 बजे की है।

कछौना कोतवाली क्षेत्र के लोनहारा गांव की विमला ने बताया कि उनकी बेटी निशा की शादी 12 साल पहले बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के बिजगवां के रहने वाले पुनीत से हुई थी। दोनों के दो बेटेअंश (10) और कृष्णा (7) हैं। पिछले एक साल से उनके बीच अनबन चल रही थी।

निशा पिछले तीन महीने से अपने दोनों बच्चों के साथ मायके में रह रही थी। पुनीत पर मारपीट का आरोप है। एक महीने पहले पुनीत

चुपचाप बड़े बेटे अंश को अपने साथ ले गया था। अंश की देखभाल अब उसके दादा-दादी कर रहे हैं।

अंश को वापस पाने के लिए निशा ने तीन दिन पहले महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी सिलसिले में शनिवार को दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया था। थाने के बाहर हुई कहासुनी के बाद झगड़ा मेडिकल कॉलेज चौकी क्षेत्र तक पहुंच गया। सड़क पर निशा हाथ जोड़कर पति से बेटे को सौंपने की गुहार लगाती रही।

पुनीत ने निशा के कैरेक्टर पर आरोप लगाते हुए बच्चे को देने से इनकार कर दिया। निशा की मां और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मेडिकल कॉलेज चौकी पहुंचाया। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि यह पूरी तरह से पारिवारिक विवाद था, जिसे पुलिस ने दोनों पक्षों की सहमति से शांत करा दिया है।

सम्पादकीय

नयी धड़कन जगाती तस्वीरें

पेपर लीक पर समय रहते कार्रवाई न करने और अपना दंभ न छोड़ने की बड़ी भारी कीमत नरेन्द्र मोदी और भाजपा को चुकानी पड़ सकती है, यह देश का मौजूदा माहौल बता रहा है। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को आंदोलनकारियों पर लाठियां बरसाना, आंसू गैस के गोले छोड़ना सरकार का गलत फैसला था और अब इसमें एक बड़ी साजिश भी दिखाई दे रही है कि पुलिस की वर्दी में आए गुंडों ने आंदोलनकारियों का दमन किया। बहुत सी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिनमें नजर पुलिस की क्रूरता नजर आ रही है। अब मामला अदालत तक पहुंच चुका है। दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले में याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई चीफ जस्टिस देवेन्द्र उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने की। अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को 4 सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा/जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। साथ ही घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और अन्य रिकॉर्ड से छेड़छाड़ न करने और उन्हें पूरी तरह संरक्षित रखने को कहा गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को तय की गई है। लेकिन इससे पहले जनता की अदालत में नरेन्द्र मोदी के 12 सालों पर सुनवाई शुरु हो चुकी है।ऐतिहासिक जगहें और इमारतें जंतर-मंतर से जो छवियां आ रही हैं, उनमें नजर आ रहा है कि मामला अब केवल धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार तक सीमित नहीं है। लोग हर उस बात पर शिकायत कर रहे हैं, जिनके कारण देश की दुर्दशा हुई है। हमारे पास जॉब नहीं है, आज भगा दो, कल फिर आएंगे, ऐसे पोस्टर्स, मेलोनी के हाथ के बने समोसे ले लो जैसे तंज, यह कहना कि जब राघव चड्ढा बिक सकता है तो फिर मीडिया तो मीडिया है, हनुमान चालीसा बजा कर उस पर थिरकना, उसमें मुस्लिमों का भी साथ आना, हाथ में तिरंगा लेकर चल रहे युवक को पुलिस ने उठा कर पटका तो उसने फौरन उठकर तिरंगा लहराया, ऐसे हजारों-हजार दृश्य भाजपा के खोखले राष्ट्रवाद, हिंदू-मुसलमान जैसे एजेंडे को मटियामेट कर रहे हैं। मोदी की विदेश यात्राओं से लेकर विपक्षी दलों के लोगों को तोड़ने तक सारी रणनीतियों का जवाब अब जनता अपने तरीके से दे रही है। नयी पीढ़ी की रचनात्मकता देखकर भाजपा आईटी सेल अब सकते में है कि किस तरह मोदी विरोधी नारों का जवाब दे। जंतर-मंतर पर अब कॉकरोच जनता पार्टी तक भी बात सीमित नहीं रह गई है। अभिजित दिपके तो गुरुवार को बीमारी का हवाला देकर जंतर-मंतर से अनुपस्थित रहने की बात कह चुके हैं और इसके लिए माफी भी मांग ली, इस बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने राहुल गांधी की आलोचना इस बात के लिए की कि वे प्रधानमंत्री आवास के सामने धरना देने क्यों गए। उन्होंने इसे अगंभीर काम बताया। पहले सोनम वांगचुक खुद शिकायत कर चुके हैं कि राहुल जंतर-मंतर नहीं आए। आम आदमी पार्टी भी लगातार राहुल गांधी पर हमलावर है। इन बातों से यह संदेह और पुख्ता होता है कि राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज आंदोलन जो छेड़ा था, उससे सरकार को तकलीफ हो रही थी और विपक्ष को कमजोर करने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी को आंदोलन करने दिया गया। इस आंदोलन के कारण ही बड़ी संख्या में लोग जंतर-मंतर पर जुटे भी, लेकिन अब आंदोलन की बागडोर पूरी तरह स्वतःस्फूर्त उमड़ी जनता के हाथों में ही दिख रही है। मंच पर कौन से राजनैतिक दल के नेता या कौन सी मशहूर हस्ती पहुंच रही है, दिपके कहां हैं, ये सारी बातें अब आंदोलनकारियों के लिए मायने नहीं रख रहीं। वे व्यवस्था में पसर चुकी गंदगी को दूर करने के लिए खुद ही आगे आ रहे हैं और पर्याप्त अनुशासन बनाए हुए हैं। बेशक कुछ असामाजिक तत्व इनके बीच पहुंच कर माहौल बिगाड़ने की फिराक में हैं, लेकिन गनीमत है कि सब कुछ नियंत्रण में है, यही भारतीय जनता का कमाल है। जहां तक राहुल गांधी का सवाल है, तो उन्होंने एकदम साफ कर दिया है कि छात्रों को इंसाफ जब तक नहीं मिलेगा, वो चुप नहीं बैठेंगे। गुरुवार को संसद में विपक्षी सांसदों ने एकजुटता के साथ मोदी सरकार के खिलाफ, धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर नारेबाजी की। विपक्ष से घबराई सरकार अब अपने बचाव में उसे ही दोषी ठहरा रही है। धर्मेन्द्र प्रधान का ट्वीट, जे पी नड्डा की प्रेस कांफ्रेंस सब में राहुल गांधी पर आरोप लगाए गए हैं कि वे राजनीति कर रहे हैं। पवन खेड़ा ने इसका जवाब दिया है।

जंतर-मंतर पर नागरिक विरोध और विनियामक चुनौतियाँ: अधिकार, मर्यादा और कानून के बीच संतुलन आवश्यक

> 21वीं सदी के वर्तमान प्रशासनिक और न्यायिक परिदृश्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय, प्रक्रियात्मक या हिंसक अनियमितता करके बच निकलना तकनीकी रूप से लगभग असंभव हो चुका है।

भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने में शांतिपूर्ण असहमति, विरोध-प्रदर्शन और अपनी आवाज बुलंद करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) और 19(1)(b) के तहत हर नागरिक को प्राप्त है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का ऐतिहासिक जंतर-मंतर दशकों से ऐसे ही अनगिनत नागरिक आंदोलनों, सामाजिक मांगों और असंतोष की अभिव्यक्ति का एक प्रमुख केंद्र रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से अपनी समस्याओं को सरकार और व्यवस्था के समक्ष रखने आने वाले नागरिकों के लिए यह स्थान एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। लोकतंत्र की जीवंतता और उसकी परिपक्वता इसी बात में निहित है कि यहाँ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का पूरा और समान अवसर मिले। परंतु, हाल के वर्षों में इस संवेदनशील और ऐतिहासिक स्थल के उपयोग को लेकर कई तरह की प्रशासनिक, विनियामक और व्यावहारिक चुनौतियाँ सामने आई हैं। जब जन-आंदोलनों की आड़ में कतिपय तत्वों द्वारा नियमों की अनदेखी, वित्तीय अपारदर्शिता, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने के प्रयास किए जाते हैं, तो यह न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं को धूमिल करता है, बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों के लिए भी संकट पैदा करता है। ऐसे समय में राज्य और न्यायपालिका के समक्ष यह बड़ी चुनौती होती है कि वह विरोध के मौलिक अधिकार की रक्षा भी करे और जनहित व विधिक व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर निष्पक्षता से अंकुश भी लगाए।

यह समझना आवश्यक है कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में कोई भी अधिकार असीमित या निरपेक्ष नहीं है। संविधान निर्माताओं ने देश की संप्रभुता, अखंडता, सार्वजनिक व्यवस्था और आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए मौलिक अधिकारों पर 'तार्किक प्रतिबंध' का स्पष्ट प्रावधान किया है। जंतर-मंतर जैसे सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में अक्सर अनेक विसंगतियां और चुनौतियां देखने को मिलती हैं, जो इस विमर्श को जन्म देती हैं जैसे वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही की कमीः कई बार सार्वजनिक अभियानों, नागरिक प्रदर्शनों या सामाजिक सुधारों के नाम पर बड़े पैमाने पर आम जनता या विभिन्न स्रोतों से धन एकत्र किया जाता है। यदि इस धन के स्रोतों और उसके वास्तविक उपयोग में पारदर्शिता न हो, तो यह संस्थागत धांधली का रूप ले लेती है। जब आंदोलन का वित्तीय आधार ही संदेहास्पद या अपारदर्शी हो जाता है, तो

आंदोलन का मूल सामाजिक उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा की चुनौतीः नई दिल्ली का यह क्षेत्र देश का मुख्य प्रशासनिक और रणनीतिक केंद्र है, जो संसद भवन और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों के अत्यंत निकट है। यहाँ निर्धारित संख्या से अधिक भीड़ का अचानक जुटना, यातायात को पूरी तरह ठप कर देना या सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास करना कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर स्थिति उत्पन्न करता है।आम नागरिकों के अधिकारों का हननः एक वर्ग के विरोध प्रदर्शन के अधिकार के कारण स्थानीय निवासियों, राहगीरों, व्यापारियों और दफ्तर जाने वाले हजारों आम लोगों के मौलिक अधिकारों—जैसे सुगम आवाजाही का अधिकार और शांति से जीने का अधिकार—का लंबे समय तक प्रभावित होना न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता।जब आंदोलन की आड़ लेकर स्थापित विधिक प्रक्रियाओं, सार्वजनिक नियमों और आम नागरिकों की सुरक्षा की अवहेलना होने लगती है, तो कानून को एक निष्पक्ष मार्गदर्शक और नियंत्रक के रूप में अपनी भूमिका निभानी पड़ती भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने समय-समय पर विरोध प्रदर्शनों की सीमा, स्थान और मर्यादा को लेकर अत्यंत संतुलित मार्गदर्शिकाएँ जारी की हैं। न्यायालय का हमेशा से यह स्पष्ट मत रहा है कि लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि इसके कारण सार्वजनिक व्यवस्था को बंधक बना लिया जाए। मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) के इस ऐतिहासिक मामले में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने एक अत्यंत संतुलित निर्णय देते हुए स्पष्ट किया कि प्रदर्शनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना नागरिक अधिकारों का हनन होगा। न्यायालय ने दिल्ली पुलिस और स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि वे विरोध प्रदर्शनों के लिए एक उचित और सीमित उपयोग की विनियामक नीति तैयार करें, ताकि सुरक्षा, स्थानीय निवासियों के शांतिपूर्ण जीवन और नागरिक अधिकारों के बीच एक स्वस्थ संतुलन बना रहे।अमित साहनी बनाम पुलिस कमिश्नर (शाहीन बाग मामला - 2020) के इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अपने रुख को और स्पष्ट करते हुए कहा कि यद्यपि असहमति और विरोध प्रदर्शन एक संवैधानिक अधिकार हैं, परंतु प्रदर्शनकारी अनिश्चितकाल के लिए सार्वजनिक मार्गों या स्थानों को अवरुद्ध नहीं कर सकते। सार्वजनिक स्थानों का इस तरह घेराव करना स्वीकार्य नहीं है और प्रदर्शन केवल प्रशासन द्वारा 'चिन्हित या निर्धारित स्थलों' पर ही किए जाने चाहिए ताकि आम जनता को भारी असुविधा न हो।अनीता ठाकुर बनाम जम्मू-कश्मीर राज्य (2016) के इस मामले में अदालत ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा अत्यधिक या असंगत बल प्रयोग की निंदा की थी और मुआवजे का आदेश दिया था। लेकिन साथ ही यह भी रेखांकित किया था कि यदि प्रदर्शनकारी हुड़दंग, तोड़फोड़ या हिंसा पर उतारू होते हैं, तो कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की जिम्मेदारी और कठिन हो जाती है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू प्रदर्शनों के दौरान होने वाली हिंसा और सार्वजनिक या निजी संपत्तियों को नुकसान पहुँचाना है। करदाताओं के पैसे से बनी सार्वजनिक संपत्तियों (जैसे बसें, पुलिस वाहन, बैरिकेड्स या सरकारी इमारतें) को आंदोलन की आड़ में नष्ट करना एक गंभीर विधिक अपराध है।इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'इन रीः डिस्ट्रक्शन ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टीज (2009)' मामले में जारी की गई गाइड-लाइंस अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी भी हिंसक आंदोलन या तोड़फोड़ की स्थिति में, उस आंदोलन का आह्वान करने वाले संगठनों और उनके शीर्ष नेताओं को 'अपेरशन' या दुष्प्रेरण का दोषी माना जा सकता है।नुकसान का आकलन करने के लिए एक दावा आयुक्त नियुक्त किया जा सकता है, जो जांच के बाद दोषियों या संबंधित संगठनों की संपत्तियों से नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करेगा।

अशोक भाटिया

आज का संसार ...

ललित गर्ग

व्यक्ति-क्रांति से धर्म-क्रांति के पुरोधाः युगद्रष्टा आचार्य भिक्षु

भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में कुछ महापुरुष ऐसे हुए हैं जिन्होंने केवल धर्म का उपदेश नहीं दिया, बल्कि धर्म की आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। वे परम्परा के अनुयायी भर नहीं बने, बल्कि समय की आवश्यकताओं के अनुरूप धर्म को नया जीवन, नई दृष्टि और नई दिशा दी। ऐसे ही युगद्रष्टा थे आचार्य श्री भिक्षु। उन्होंने धर्म को कर्मकाण्ड, आडम्बर और रूढ़ियों के बंधनों से मुक्त कर सत्य, अहिंसा, संयम, आत्मानुशासन और चरित्र-निर्माण की सुदृढ़ भूमि पर स्थापित किया। इसीलिए वे केवल तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक नहीं, बल्कि भारतीय धार्मिक चेतना में धर्म-क्रांति के महान पुरोधा माने जाते हैं। आचार्य भिक्षु के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का समापन 27 जुलाई 2026 को हो रहा है। पूरे वर्ष देश-विदेश में विविध आध्यात्मिक, वैचारिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन और दर्शन का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ। इस राष्ट्रीय अभियान का नेतृत्व तेरापंथ धर्मसंघ की 113 वर्ष पुरानी सर्वोच्च संस्था जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा ने किया। आचार्य कालूगणी की प्रेरणा से स्थापित और आचार्य तुलसी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित इस संस्था ने त्रिशताब्दी वर्ष को केवल उत्सव तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे मूल्य-जागरण का राष्ट्रीय अभियान बना दिया।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेन्द्र नाहटा ने आचार्य भिक्षु को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु केवल एक महान संत नहीं, बल्कि दिव्य चेतना और युगदृष्टा व्यक्तित्व के धनी थे।

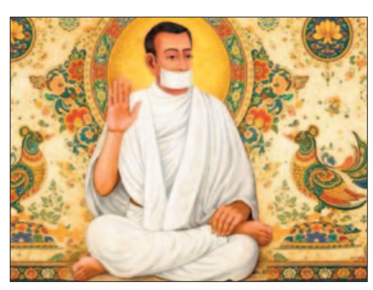

लगभग 300 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस धर्मसंघ की स्थापना सत्य, अहिंसा, मर्यादा, अनुशासन और चरित्र के आधार पर की थी, वह आज भी निरंतर गतिशील होकर देश और दुनिया को नैतिकता, मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक जीवन की नई दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु का दर्शन किसी एक संप्रदाय की सीमाओं में बंधा नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। व्यक्ति-निर्माण से समाज-निर्माण और समाज-निर्माण से विश्व-कल्याण का उनका चिंतन आज के अशांत और मूल्य-संकट से जूझते विश्व के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। आचार्य भिक्षु का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य पर अडिग रहकर, मर्यादा का पालन करते हुए और आत्मानुशासन को जीवन का आधार बनाकर ही स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। आचार्य भिक्षु ऐसे समय में प्रकट हुए जब धर्म का स्वरूप अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका था। बाह्याचार को धर्म मान लिया गया था, कर्मकाण्ड को साधना समझा जाने लगा था और सम्प्रदायगत प्रतिस्पर्धा ने आध्यात्मिकता की गरिमा को धूमिल कर दिया था। ऐसे वातावरण में उन्होंने निर्भीक होकर घोषणा की कि धर्म का संबंध बाहरी प्रदर्शन से नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतःकरण की पवित्रता से है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जहां सत्य नहीं-वहां धर्म नहीं, जहां अहिंसा नहीं-वहां साधना नहीं और जहां चरित्र नहीं-वहां आध्यात्मिकता केवल आडम्बर है। आचार्य भिक्षु का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने साधुता की नई परिभाषा प्रस्तुत की। उनके अनुसार साधु होना केवल वेश बदल लेना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, लोभ, मोह और स्वार्थ का त्याग करना है। उन्होंने साधु जीवन को समाज के लिए आदर्श, अनुशासन और आत्मसंयम का जीवंत उदाहरण बनाया। उन्होंने कहा कि साधु का मूल्य उसके ज्ञान से पहले उसके चरित्र में है, उसके उपदेश से पहले उसके आचरण में है। इसीलिए उन्होंने साधु जीवन को कठोर मर्यादाओं से जोड़ा और स्वयं उनका अक्षरशः पालन किया। आचार्य भिक्षु ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि मर्यादाओं का सुव्यवस्थित विधान निर्मित किया। ये मर्यादाएं किसी प्रकार का बंधन नहीं थीं, बल्कि साधना की सुरक्षा-रेखाएं थीं। उनका विश्वास था कि मर्यादा के बिना न व्यक्ति टिक सकता है, न संगठन और न ही धर्म। अनुशासन को उन्होंने धर्मसंघ की आत्मा माना। यही कारण है कि तेरापंथ धर्मसंघ की विशिष्ट पहचान उसकी मर्यादा, अनुशासन और एकसूत्रता रही है। आचार्य भिक्षु ने संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में केवल तेरह श्रावकों के साथ नए धर्मसंघ की स्थापना की। उन्होंने कभी संख्या को सफलता का आधार नहीं माना।

अब इस परिदृश्य ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

स्टेडियम बनेगा खेल क्रान्ति का नया केन्द्र

उत्तर प्रदेश में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने और प्रादेशिक खेल प्रतिभाओं को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के ऐतिहासिक संकल्प के तहत जिला स्तर पर खेल अवसंरचनात्मक ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की दूरदर्शी सोच और 'खेलेगा यूपी, बढ़ेगा यूपी' के मूल मंत्र को धरातल पर उतारते हुए बरेली के ऐतिहासिक स्पोर्ट्स स्टेडियम को सर्वसुविधायुक्त एवं अत्याधुनिक विश्वस्तरीय खेल परिसर के रूप में विकसित करने की दिशा में अत्यंत ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए गए हैं। कभी संसाधनों की सीमितता और पुरानी सुविधाओं से जूझता यह पौराणिक स्टेडियम अब राज्य सरकार, जिला प्रशासन और खेल विभाग के समन्वित प्रयासों से आधुनिक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के बल पर नई ऊर्जा, नई उम्मीदों और नई दिशा का एक सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। विकास की इस व्यापक योजना का मुख्य ध्येय केवल कंक्रीट के ढांचे खड़े करना नहीं, बल्कि एक ऐसा समग्र, सुदृढ़ और भविष्योन्मुखी खेल इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां बरेली के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के होनहार युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक एवं पेशेवर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। इस युगांतरकारी पहल से बरेली और संपूर्ण रुहेलखंड मंडल के प्रतिभावान एथलीटों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर

उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त होगा। बरेली का यह स्पोर्ट्स स्टेडियम दशकों से स्थानीय खिलाड़ियों की मुख्य प्रशिक्षण स्थली रहा है, जहां से निकले अनेक एथलीटों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अद्भुत खेल क्षमता का लोहा मनवाया है। हालांकि, पूर्ववर्ती समय में आधुनिक सुविधाओं का यथेष्ट विस्तार न हो पाने के कारण यहां की अप्रतिम प्रतिभाओं को बेहतर कोचिंग, आधुनिक उपकरणों और सिंथेटिक कोर्ट्स की तलाश में अन्य बड़े महानगरों की ओर रुख करना पड़ता था। अब इस परिदृश्य को पूरी तरह बदलने और बरेली को एक प्रमुख स्पोर्ट्स हब के रूप में स्थापित करने के लिए व्यापक पुनर्विकास योजना पर तीव्र गति से कार्य जारी है। इस महापरिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण और दूरगामी कड़ी के रूप में हॉकी खेल का पुनरुद्धार शामिल है। एक समय था जब बरेली को हॉकी खिलाड़ियों की समृद्ध नर्सरी के रूप में जाना जाता था, परंतु आधुनिक सिंथेटिक एस्ट्रोटर्फ के अभाव में यह खेल धीरे-धीरे अपनी पारंपरिक चमक खोने लगा था।

जरा हटके

यदि चालक को वाहन ...

आशीष सिंह

सड़क सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन विभाग कुशल चालकों को ही देगा स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस

भारत में सड़क दुर्घटनाएँ लंबे समय से एक गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। प्रतिवर्ष लाखों लोग सड़क हादसों में घायल होते हैं और हजारों लोगों की मृत्यु हो जाती है। इन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में अपर्याप्त चालक प्रशिक्षण, यातायात नियमों की अनदेखी तथा अनुभव-हीन चालकों द्वारा वाहन संचालन शामिल हैं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार (मोर्थ) ने सड़क सुरक्षा को सु.ढ़ बनाने तथा चालक प्रशिक्षण व्यवस्था को वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है।

इसी दिशा में केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में संशोधन करते हुए प्रत्यायन (प्रमाणन) प्राप्त चालक प्रशिक्षण केन्द्र (।बबतमकपजमक क्तपअमत ज्तंपदपदह ब्मदजतम . ।क्ज्ब्) की स्थापना एवं संचालन से संबंधित नए प्रावधान जोड़े गए हैं। इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल प्रशिक्षित, दक्ष एवं सक्षम चालक ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करें। इससे न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि देश में सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग संस्.ति का भी विकास होगा।

चालक प्रशिक्षण को बनाया जाएगा वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित

नई व्यवस्था के अंतर्गत चालक प्रशिक्षण केन्द्रों में आधुनिक तकनीक, मानकी.त पाठ्यक्रम, प्रशिक्षित प्रशिक्षकों तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को केवल वाहन चलाना ही नहीं सिखाया जाएगा, बल्कि सड़क सुरक्षा के नियम, यातायात संकेत, आपातकालीन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता,

वाहन रख-रखाव, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में सुरक्षित वाहन संचालन का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य केवल ड्राइविंग लाइसेंस जारी करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार चालकों का निर्माण करना है जो सड़क पर स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

आवेदन प्रक्रिया होगी पूर्णतः ऑनलाइन

प्रत्यायन चालक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं उनके रख-रखाव में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा एक नया ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के इच्छुक संस्थानों के आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। अब तक इस प्रक्रिया के

'माँ, मैं तिरंगा फहराकर आऊँगा या तिरंगे में लिपटकर...'

26 जुलाई का दिन केवल भारत की एक बड़ी सैन्य जीत की तारीख नहीं है, बल्कि यह दिन है उस अमर बलिदान की गाथा का, जिसे याद करके आज भी हर भारतीय की आँखें नम हो जाती हैं। आज ही के दिन 1999 में हमारे वीर जवानों ने बर्फ से ढकी कारगिल की बर्फीली और जानलेवा चोटियों से दुश्मनों को खदेड़कर भारत की पावन धरती पर तिरंगा फहराया था। सोचिए जरा... 18,000 फीट की ऊँचाई, शून्य से कई डिग्री नीचे गिरता तापमान, हाड़ कंपा देने वाली बर्फीली हवाएँ और सामने से आती दुश्मनों की अंधाधुंध गोलियाँ। ऐसी मौत के साये में भी हमारे देश के बेटों के कदम पीछे नहीं हटे। उनकी छाती में गोलियाँ लगीं,

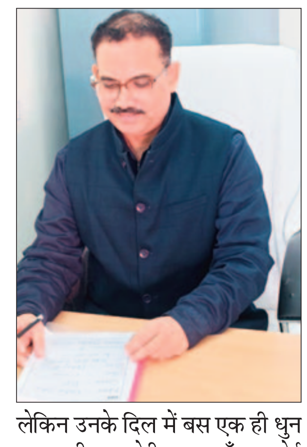

लेकिन उनके दिल में बस एक ही धुन सवार थी— ₹मेरी भारत माँ पर कोई आँच न आए।₹

आज जब हम अपने घरों में चैन की नींद सोते हैं, तो उसके पीछे उन 527 सूरवीरों का बलिदान है जो कभी अपने घर वापस नहीं लौटे।

किसी माँ की गोद सूनी हो गई, तो किसी बहन की राखी हमेशा के लिए अधूरी रह गई। किसी नवविवाहिता के हाथों की मेहंदी का रंग अभी छूटा भी नहीं था कि उसका सुहाग तिरंगे में लिपटकर आ गया। और किसी मासूम बच्चे ने तो अपने पिता की सूरत भी सिर्फ तस्वीरों में देखी।

जरा उस माँ के दिल का दर्द महसूस कीजिए, जिसने अपने जवान बेटे की देह को तिरंगे में लिपटे देखा होगा, फिर भी रोने के बजाय गर्व से कहा होगा— ₹मुझे गर्व है अपने लाल पर! ऐसे माता-पिता के चरणों में पूरा देश अपना शीश झुकाता है।

सुशांत

ईंट की जगह अपना सिर लगा देंगे : इकरा हसन

जौहर यूनिवर्सिटी गिरने नहीं देंगे, रामपुर डीएम से मिले 10 सपा सांसद

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए सपा के 10 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल रामपुर के डीएम से मिला। शनिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सबसे पहले सपा सांसद इकरा हसन संत शिरोमणि गेस्ट हाउस पहुंचीं। इसके बाद रुचि वीरा और जियाउर्रहमान बर्क पहुंचे। सभी सांसदों ने बंद कमरे में बैठक की। फिर सभी जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे। यहां गेट पर 8 दिन से धरने पर बैठे छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। इस दौरान सांसद इकरा हसन ने कहा- हमसे पहले हमारे विधायक भी डीएम से मिलने आए थे। मैं रामपुर और आजम खान को ये विश्वास दिलाती हूं कि जौहर यूनिवर्सिटी को गिरने नहीं देंगे। जरूरत पड़ी, तो एक-एक ईंट की जगह अपना सिर लगा देंगे, लेकिन इसे कुछ नहीं होने देंगे। जौहर यूनिविर्सिटी आजम साहब ने बनाई है। उसे किसी कीमत पर टूटने नहीं देंगे। हम डीएम से मांग करेंगे कि इसे बने रहने दें। उनसे कहेंगे कि ये सुनिश्वित होना चाहिए कि यूनिवर्सिटी को कोई नुकसान न पहुंचे। मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा ने कहा- हम लोग जौहर यूनिवर्सिटी को किसी कीमत पर गिरने नहीं देंगे। ये शिक्षा का मंदिर है।

> संभल से सांसद जिया उर्रहमान बर्क ने कहा- यूनिवर्सिटी को गिराने का आदेश गलत है। डीएम को आदेश वापस लेना चाहिए। मैं इस बात को सदन में उठाऊंगा। जीरो ऑवर में मेरा नंबर भी आ गया है, लेकिन सदन ही नहीं चल रहा। सदन चलेगा, तो मैं इस मुद्दे को जरूर उठाऊंगा।

सांसद जावेद बोले- ये सरकार शिक्षा विरोधी

राज्यसभा सांसद जावेद ने कहा– इस सरकार से कोई उम्मीद करना बेकार है, क्योंकि शिक्षा विरोधी और जन विरोधी सरकार है। यह सरकार नहीं चाहती कि हिंदुस्तान के लोग पढ़ें–लिखें। गरीबों के बच्चों को तालीम मिले। हमारा फर्ज है कि जो गैरकानूनी आदेश जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्त करने का डीएम ने दिया है, उसे वापस लिया जाए। इसके बाद सपा का प्रतिनिधिमंडल दोपहर करीब 3 :30 बजे डीएम ऑफिस पहुंचा। डीएम अजय कुमार द्विवेदी से को ज्ञापन देकर जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के आदेश को वापस लेने की मांग की।

2 दिन पहले डीएम से मिला था 25 एमएलए का प्रतिनिधिमंडल

23 जुलाई (गुरुवार) को सपा के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के साथ 25 विधायकों समेत 45 नेताओं का प्रतिनिधि-मंडल भी डीएम से मिला था। प्रतिनिधिमंडल माता प्रसाद पांडे के साथ यूनिवर्सिटी के अंदर भी गया था। यहां अधिकारियों के साथ करीब 45 मिनट तक बातचीत की थी। इसके बाद आजम खान के घर जाकर उनकी पत्नी तंजीन फातिमा से मुलाकात की थी। करीब 20 मिनट नेता प्रतिपक्ष और तंजीन फातिमा से बातचीत की थी। इस दौरान आजम के बड़े बेटे अदीब आजम ने उनका स्वागत किया था।

हरेंद्र मलिक बोले- सरकार नहीं लगाएगी, तो हम मुहर लगाएंगे

मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा– यह सरकार शिक्षा विरोधी है। नई यूनिवर्सिटी बनाने की जगह गिराने में जुटी है। सांसदों की मांग पर सरकार मुहर लगाएगी या नहीं। इस पर हरेंद्र मलिक ने कहा कि सरकार मुहर नहीं लगाएगी, तो हम लगाएंगे।

इस दौरान जिला कलेक्ट्रेट से लेकर जौहर यूनिवर्सिटी के मेन गेट तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि तीन थानों के थानेदार और एक–एक सीओ की ड्यूटी लगाई गई। वज्र वाहन और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी तैनात की गई। सांसद बीरेंद्र सिंह मलिक, सांसद रामशिरोमणि वर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे।

डीएम और एएसपी ने बाढ़ की तैयारी देखी

कांवड़ियों के लिए कंट्रोल रूम बनेगा, घाटों पर होगी मजबूत बैरीकेडिंग

निरीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के आनंद घाट पर शनिवार दोपहर डीएम घनश्याम मीणा और एएसपी जयप्रकाश सिंह ने आगामी कांवड़ यात्रा और संभावित बाढ़ की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान एडीएम सुशील कुमार गोंड और एसडीएम राजेश विश्वकर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने नाव से गंगा के तटीय क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात और कटान रोधी उपायों का जायजा लिया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग, अस्थायी कंट्रोल रूम, पर्याप्त पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती के निर्देश दिए। घाटों पर प्रॉपर लाइटिंग, मोबाइल टॉयलेट और महिलाओं के लिए अलग चेंजिंग रूम बनाने को कहा गया। गोताखोर मोहल्ला और मिश्रा घाट जैसे कटान संभावित इलाकों में सिंचाई विभाग को समय रहते काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। कटान रोकने के लिए जियोबैग और पोरक्यूपाइन लगाने का काम तेज़ी से पूरा करने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कांवड़ यात्रा को सुगम बनाने और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

अधिकारियों ने बाढ़ की तैयारियों का जायजा लिया।

फास्ट न्यूज

काकादेव में केमिकल कारोबारी ने फंदा लगाकर दी जान

कानपुर। काकदेव थानाक्षेत्र में केमिकल कारोबारी ने अपने ऑफिस में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। देर रात 12 बजे तक घर न पहुंचने पर पत्नी ने कॉल की, लेकिन फोन नहीं उठा।
मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो जानकारी मिली सुसाइड करने से पहले कारोबारी ने ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरों पर कपड़ा डाल दिया था। काकादेव आरएसपुरम निवासी मनोज कुमार पांडेय (52) का केमिकल व दवा का कारोबार है।

भैंस से टकराई बाइक, युवक की मौत

सीतापुर। सीतापुर में एक बाइक मवेशी से टकरा गई। हादसे में दो युवक घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां शनिवार सुबह एक युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि हेलमेट दो हिस्सों में टूट गया। मरने वाला युवक हरदोई का रहने वाला था। हरदोई के रहने वाले सुखमी लाल (45) पुत्र मोहन अपने रिश्तेदार लखपति (50) पुत्र रज्जू के साथ शुक्रवार देर शाम बाइक से सीतापुर से वापस हरदोई लौट रहे थे।

वाहन चोर गिरफ्तार, 5 बाइक मिलीं

उन्नाव। उन्नाव की गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी देवरिया का रहने वाला है और इस समय बांगरमऊ में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से बिना नंबर प्लेट की चोरी की बाइक के अलावा उसकी निशानदेही पर 4 अन्य मोटरसाइकिलें और एक स्कूटी बरामद की हैं। गंगाघाट पुलिस शुक्रवार रात सरैया रेलवे क्रॉसिंग के पास चेकिंग कर रही थी।

गोरखपुर थाने के बाहर युवती ने पीया फिनायल

एक दिन पहले शारीरिक शोषण में प्रेमी को जेल कराई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में शनिवार को चौरी चौरा थाना गेट के सामने प्रेमी से शादी कराने की जिद कर रही 22 साल की युवती ने फिनायल पी लिया। इसके बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। थाने के सामने ही युवती अचेत होकर गिर गई। पुलिस ने थाने की जीप से तत्काल उसे चौरी चौरा सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, युवती ने अपने प्रेमी पर के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप लगाते हुए चौरी चौरा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भी भिजवा दिया। शनिवार को एक बार फिर युवती थाने आकर जेल में बंद प्रेमी से शादी कराने की जिद कर रही थी। उसे समझाया गया। इस दौरान बाहर थाने से बाहर निकलकर उसने फिनायल पी लिया। देवरिया के महुआडीह थाना क्षेत्र की एक युवती दोपहर करीब 2:30 बजे चौरी चौरा थाने पहुंची। थाने में जाकर वह पुलिसकर्मियों से प्रेमी से शादी कराने की जिद करने लगी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने समझाया तो उसने बाहर निकलकर फिनालय पी लिया। वह अपने बैग में पहले से फिनायल लेकर आई थी। आस-पास के लोगों के शोर मचाने पर थाने में मौजूद 6 से 7 महिला पुलिसकर्मी दौड़ते हुए पहुंची।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर यूपी में छात्रों का जश्न

लखनऊ-प्रयागराज-वाराणसी में मिठाई बांटी और नारे लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार दोपहर यूपी के छात्रों ने जश्न मनाया। प्रयागराज में छात्र पोल पर चढ़ गए। टी-शर्ट हवा में लहराते हुए झूम उठे। छात्राओं ने इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर फाड़ते हुए कहा- यह युवाओं की बड़ी जीत है।

वाराणसी में छात्रों ने एक-दूसरे को मेलोडी टॉफी खिलाई। लखनऊ के इको गार्डन में जश्न जारी है। नगीना सांसद चंद्रशेखर की अगुआई में युवा प्रदर्शन कर रहे थे। जैसे ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिली, सब जश्न मनाने लगे। विरोध वाले पोस्टर-बैनर फाड़ डाले। एक युवती ने कहा- आज होली-दिवाली की खुशी एक साथ मिली है। घर जाकर दावत होगी।

इससे पहले सुबह 10 बजे 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के समर्थन में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर और मेरठ समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में भारी बारिश के बीच 10 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए और जमकर नारेबाजी की। हाथों में संविधान की किताब लेकर पहुंचे छात्र केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े थे। कुछ छात्र बारिश में डांस कर रहे थे, तो कुछ ताली-थाली बजा रहे थे। इस बीच कई जगहों पर भीड़ बेकाबू हो गई। सांसद लिखी एक फॉर्च्यूनर कार को पलट दिया। एक स्कॉर्पियो के शीशे फोड़ डाले। सुरक्षा के लिहाज से पूरे रूट पर 2,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ के इको गार्डन में जश्न मनाया जा रहा है। यहां ये हजारों युवा प्रदर्शन करने के लिए नगीना सांसद चंद्रशेखर की अगुआई में इकट्ठा हुए थे। CJP की तरह धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। पोस्टरों में तरह-तरह की नारेबाजी लिखकर पहुंचे थे। जैसे ही शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खबर मिली, सब जश्न मनाने लगे। कई युवाओं ने इको गार्डन में मेलोडी टॉफी बांटी। प्रदर्शन में जो पोस्टर-बैनर शिक्षा मंत्री के खिलाफ लेकर पहुंचे थे, उन्हें फाड़ डाले। एक प्रदर्शनकारी युवती ने कहा- इतना होली-दिवाली पर खुश नहीं होती हूं, जितना आज इस इस्तीफे से हुई हूं। घर जाकर दावत होगी। इससे पहले ये लोग दोपहर 1 बजे से प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होने लगे थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई और नारे लगाते हुए इसे छात्रों की बड़ी जीत बताया। वाराणसी में छात्रों ने हरिश्चंद्र डिग्री कालेज के सामने अबीर-गुलाल लगाकर जश्न मनाया। एक-दूसरे को मेलोडी टॉफी खिलाई।

> यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा- लाठियों, आंसू गैस और पुलिसिया दमन के बल पर सच को दबाने की कोशिश करने वाली भाजपा सरकार को आज युवाओं की जिद के आगे झुकना ही पड़ा! यह जीत देश के लाखों उन मेहनती छात्रों की है, जो रातों-रात अपने भविष्य के लिए सड़कों पर डटे रहे।
> हमारे नेता राहुल गांधी और कांग्रेस का हर कार्यकर्ता युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ा था और रहेगा। अब मांग स्पष्ट है- इस पूरे तंत्र की गहराई से जांच हो और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी दोषी को न बख्शा जाए!

47-लाख बिजली उपभोक्ताओं का लोड बदलने पर कांग्रेस का सवाल

अजय राय ने स्मार्ट मीटर और नेट मीटरिंग पर भी उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश के करीब 47 लाख बिजली उपभोक्ताओं के स्वीकृत बिजली भार (लोड) में कथित बदलाव को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली और नेट मीटरिंग से जुड़ी शिकायतों के संबंध में उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष को पत्र भेजकर पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। अजय राय ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के स्वीकृत बिजली लोड में बदलाव किए जाने से उन पर अतिरिक्त स्थायी शुल्क, सुरक्षा जमा राशि और अन्य वित्तीय देनदारियों का बोझ बढ़ गया है। उनका कहना है कि इससे बिजली वितरण कंपनियां उपभोक्ताओं से अतिरिक्त आर्थिक वसूली कर रही हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा कि यदि इस पूरे मामले की तकनीकी, वित्तीय और नियामकीय स्तर पर स्वतंत्र जांच नहीं कराई गई तो प्रदेश के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के आर्थिक और वैधानिक अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने आयोग से निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अजय राय के अनुसार यह समस्या केवल घरेलू बिजली उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। इसका असर उद्योग, व्यापार, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, पत्रकारों, अधिवक्ताओं, सरकारी और गैर-सरकारी कर्मचारियों, लघु उद्यमियों, सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों और यहां तक कि बिजली विभाग के कर्मचारियों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली शुल्क में बढ़ोतरी और अतिरिक्त वित्तीय भार का सबसे अधिक प्रभाव गरीब, निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। ऐसे में आयोग को पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

चंदौली में एक की मौत, दूसरे का कूल्हा टूटा, पिकअप में ठूंसे थे 11 गोवंश

पुलिस देख 32 फीट ऊंचे पुल से कूदे दो तस्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली में गोवंशों से लदी पिकअप को पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर रोक लिया। पुलिस से बचने के लिए तीन तस्कर गाड़ी से उतरकर भागने लगे। इसी दौरान दो तस्करों ने करीब 32 फीट ऊंचे पुल से छलांग लगा दी। एक तस्कर सिर के बल नीचे गिरा, गिरते ही उसका सिर फट गया। वहीं दूसरे का कूल्हा टूट गया और कंधे में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी जहानियां में भर्ती कराया। एक तस्कर को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। पूरा मामला शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे बलुआ इलाके का है। पुलिस ने पिकअप से 11 गोवंश बरामद किए हैं। सीओ कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि एक पिकअप में गोवंशों की खेप लेकर जा रहे तस्करों की सूचना मिली थी। इसके बाद शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे बलुआ थाना पुलिस के साथ थानाध्यक्ष एसआई अरुण प्रताप सिंह सैदपुर पुल से पहले चेकिंग कर रहे थे। गाजीपुर की ओर से चंदौली आ रही एक पिकअप को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखते ही गाड़ी में सवार तीनों तस्कर वाहन छोड़कर सैदपुर की ओर भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया। एक तस्कर को पुल पर ही पकड़ लिया, जबकि दो अन्य ने बचने के लिए करीब 32 फीट ऊंचे पुल से छलांग लगा दी।

तीनों तस्कर आजमगढ़ के रहने वाले

तीनों आरोपी आजमगढ़ के रहने वाले हैं। मृतक की पहचान काजू के रूप में हुई है, जबकि शिवांशु कुमार घायल है। शक्ति कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों की पिकअप से 11 गोवंश बरामद किए गए, जिन्हें पुलिस ने गोशाला भिजवा दिया। CO कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया-पुलिस ने आरोपियों पर गो तस्करी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इनके पूरे तस्करी नेटवर्क की जांच जारी है। ये पेशेवर लंबे समय से तस्करी कर रहे थे।

एक की मौत, दूसरा घायल

छलांग लगाने के दौरान एक तस्कर का सिर पत्थर से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। दूसरे तस्कर का कूल्हा टूट गया और कंधे में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर घायलों को सीएचसी जहानियां पहुंची। वहां से गंभीर रूप से घायल तस्कर को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। दूसरे घायल का इलाज सीएचसी में चल रहा है।

आंदोलन : भीम आर्मी-आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

दिल्ली छात्र आंदोलन की गूंज बाराबंकी तक

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में शनिवार को बाराबंकी में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अंबेडकर छात्रावास से पटेल चौराहे तक मार्च निकालते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं तथा छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दिल्ली में शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उनका कहना था कि छात्रों की मांगों पर संवाद करने के बजाय आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों का संतोषजनक समाधान नहीं किया जा रहा है।

'मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन होगा और व्यापक'

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना था कि यह विरोध केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए।

पुलिस बल रहा तैनात, शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हुआ प्रदर्शन
प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरे समय तैनात रहा। हालांकि पूरे कार्यक्रम के दौरान कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई और विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। बाद में सभी प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उठाई मांग

भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के आह्वान पर देशभर में छात्र आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने खुद सुनीं शिकायतें

टांडा थाने में फरियादियों से किया सीधा संवाद, समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने टांडा थाने पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने एक-एक शिकायत का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस में दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने राजस्व और पुलिस से जुड़े विभिन्न मामलों की शिकायतें दर्ज कराईं। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रकरणों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से प्रकरणवार कार्रवाई की स्थिति भी जानी। दोनों अधिकारियों ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए और शिकायतकर्ता को समय पर राहत मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता और गुणवत्ता के साथ किया जाए। किसी भी मामले में औपचारिक कार्रवाई तक सीमित न रहते हुए वास्तविक और स्थायी समाधान पर ध्यान दिया जाए, ताकि पात्र लोगों को समय पर न्याय मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी टांडा, तहसीलदार टांडा, क्षेत्राधिकारी टांडा, संबंधित लेखपाल तथा राजस्व और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

200 सीसीटीवी से निगरानी होगी, मथुरा में एसएसपी ने तैयारियों की समीक्षा की

गुरु पूर्णिमा मेले में 450 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे

इंतजाम

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मथुरा रेलवे पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रेलवे) अनिल कुमार झा ने मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात जवानों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिसकर्मियों को मेले के संबंध में दिशा निर्देश देते एसएसपी अनिल कुमार झा।

एसएसपी रेलवे ने बताया कि गुरु पूर्णिमा मेले के मद्देनजर रेलवे पुलिस की विशेष ड्यूटी 22 जुलाई से 31 जुलाई तक लगाई गई है।

संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी कड़ी नजर

रेलवे पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर सभी जवानों को संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस सामान पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई करने और संबंधित एजेंसियों को सूचित करने के आदेश दिए गए हैं। रेलवे प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें, किसी भी संदिग्ध वस्तु को हाथ न लगाएं और किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत रेलवे पुलिस को दें।

सुरक्षा व्यवस्था को सुपर जोन और चार जोन में बांटा गया

- भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए मथुरा-वृंदावन क्षेत्र को एक सुपर जोन, चार जोन और कई सेक्टरों में विभाजित किया गया है।
- सुपर जोन की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी (सीओ) को सौंपी गई है।
- चारों जोन की कमान इंस्पेक्टरों के हाथ में रहेगी।

प्रत्येक सेक्टर की निगरानी उपनिरीक्षक (एसआई) करेंगे।

इस व्यवस्था का उद्देश्य हर क्षेत्र में त्वरित निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन और आसपास के मेला क्षेत्र में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे सक्रिय कर दिए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से स्टेशन परिसर और यात्रियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। रेलवे पुलिस और रेल प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा का अनुभव मिल सके।

"रेलवे पुलिस ने बताया कि मेला अवधि के दौरान 450 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इनकी जिम्मेदारी श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, स्टेशन परिसर में व्यवस्था बनाए रखने और यात्रियों के सुचारु आवागमन को सुनिश्चित करना होगी। सभी अधिकारियों और जवानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे यात्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें तथा महिला, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें।

उन्होंने बताया कि मेले का मुख्य आयोजन 27, 28 और 29 जुलाई को होगा।

इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल मार्ग से मथुरा पहुंचेंगे और यहां से गोवर्धन, वृंदावन सहित अन्य धार्मिक स्थलों के लिए रवाना होंगे।

एमआईटी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

151 शोध पत्रों पर हुआ मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवीनतम नवाचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन हो गया। समापन समारोह में देश-विदेश से आए शोधार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी सेंटर के डॉ. दिबाकर रक्षित ने कहा कि वैज्ञानिक शोध और नवाचार ही भविष्य के विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने शोधार्थियों से अधिक से अधिक शोध कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नए विचारों और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने मेरठ में इतने बड़े स्तर पर आयोजित सम्मेलन की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह में एमआईटी के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा तथा कॉन्फ्रेंस संयोजक डॉ. गौरव शर्मा ने उत्कृष्ट शोध प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

कॉन्फ्रेंस संयोजक ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में कुल 151 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में दक्षिण अमेरिका, स्पेन और मलेशिया सहित भारत के नौ राज्यों से आए शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया।

फास्ट न्यूज

छात्रों ने लगाए नारे- धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो

आगरा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में शुक्रवार को आगरा में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क गेट के बाहर छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की, विरोध मार्च निकाला और केंद्र सरकार के खिलाफ अपना रोष जताया।

प्रेम संबंध पर युवती की हत्या, पांच परिजन हिरासत में

कोल। अलीगढ़ जिले के गोंडा थाना क्षेत्र में कथित ऑनर किलिंग का एक मामला सामने आया है। एक युवक की शिकायत के बाद पुलिस ने शुक्रवार को देर रात्रि त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती की संदिग्ध मौत और शव को जलाए जाने के आरोप में उसकी मां, दो भाइयों और दो मामाओं को हिरासत में लिया है। पुलिस पूरे मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही है। गोंडा थाना क्षेत्र के निवासी हर्षित नामक युवक ने एसएसपी कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई। हर्षित ने आरोप लगाया कि बासोली गांव की हिमांशी से उसकी दोस्ती थी।

दलितों पर लाठीचार्ज, मुरादाबाद में वाल्मीकि समाज का

मुरादाबाद। पंजाब में दलित (वाल्मीकि) समाज के लोगों पर कथित पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में शनिवार को मुरादाबाद में वाल्मीकि समाज ने प्रदर्शन किया। सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित चौराहे पर एकत्र हुए लोगों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारी विभिन्न स्लोगन लिखे पोस्टर लिए हुए थे।

सरयू-घाघरा का जलस्तर घटा, बाढ़ पीड़ितों ने ली राहत की सांस

अब कीचड़ और संक्रमण का खतरा बढ़ा, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत हेतमापुर स्थित सरयू-घाघरा नदी में आई बरसात और बाढ़ के पानी ने पिछले कई दिनों से तटवर्ती गांवों के लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। नदी का जलस्तर बढ़ने से सुंदरनगर सहित कई गांवों के निचले इलाके में बाढ़ जैसे हालात ग्रामीणों में देखने को मिले थे। ऐसे में खेत, रास्ते और गांव पानी से घिर जा चुके थे। ऐसे में दहशत का माहौल बना हुआ था। कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी थी। तो वही स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार बाढ़ पीड़ितों के लिए अपनी सेवाएं दे रहा है। फिर हाल अब सरयू-घाघरा नदी का जलस्तर लगातार घटने लगा है, जिससे बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने राहत की सांस

ली है। पानी उतरने के साथ लोग धीरे-धीरे अपने घरों की ओर लौट रहे हैं और सामान्य जीवन पटरी पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि बाढ़ का खतरा कम होने के बाद अब एक नई समस्या लोगों के सामने खड़ी हो गई है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद गांवों की गलियों, संपर्क मार्गों और निचले इलाकों में भारी मात्रा में कीचड़ और जलभराव हो गया है। जगह-जगह गंदा पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। इसके साथ ही डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार, दस्त, त्वचा रोग और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।कीचड़ के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे स्कूल जाने और बुजुर्गों को निकलने में परेशानी हो रही है।ग्रामीणों का कहना है कि अब पानी उतरने के बाद गांवों में सफाई, कीटनाशक दवा के छिड़काव और जलनिकासी की व्यवस्था तत्काल कराए जाने की आवश्यकता है। फिलहाल नदी का जलस्तर घटने से बाढ़ का खतरा कम हुआ है, लेकिन कीचड़, गंदगी और जलभराव के कारण ग्रामीणों की समस्याएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। ऐसे में प्रशासन के सामने अब बाढ़ राहत के साथ-साथ संक्रमण से बचाव और गांवों में सामान्य स्थिति बहाल करना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

आगरा में सपा नेता नजरबंद किए गए, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को जाने से रोका

सीएम के पहुंचने से पहले सपाइयों की पुलिस से धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगरा पहुंचने से पहले घर में नजरबंद किए जाने पर सपाई भड़क गए। पुलिस से उनकी जमकर धक्का-मुक्की हुई। वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए जाने की जिद पर अड़े थे। लगभग एक घंटे तक जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, सीएम योगी शनिवार दोपहर बाद आगरा पहुंचने वाले हैं। ऐसे में पुलिस-प्रशासन किसी भी प्रदर्शन को लेकर सख्त हो गया है। सपा नेताओं के घर सुबह से ही पुलिस ने डेरा डाल दिया। उन्हें उनके घर में ही नजरबंद कर दिया गया। कमला नगर में नितिन कोहली और दयालबाग निवासी मधुकर

अरोड़ा (मिक्की अरोड़ा) के घर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सुबह लगभग 10.30 बजे के आसपास मधुकर अरोड़ा के घर काफी संख्या में सपा कार्यकर्ता भी पहुंच गए।

वे जैसे ही दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए जाने के लिए घर से बाहर निकले।

- पुलिस से बचकर निकलकर प्रदर्शन के लिए जाने का प्रयास करते सपा कार्यकर्ता।
- पुलिसकर्मियों और सपा कार्यकर्ताओं के बीच कई बार धक्का-मुक्की हुई।

पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बैरीकेडिंग लगाकर सपा नेता के घर का मुख्य दरवाजा ही बंद कर दिया। इसको लेकर सपाई भड़क गए। बैरीकेडिंग को हटाकर वे आगे बढ़ने की जिद पर अड़े थे। एक तरफ पुलिसकर्मी बैरीकेडिंग को रोकने में लगे थे, दूसरी ओर सपाई बैरीकेडिंग को धक्का देकर हटाने में लगे थे।

इसी बीच कुछ सपाई किनारे से भाग कर निकलने लगे। इस पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें दौड़कर पकड़ा। इस दौरान पुलिस से उनकी धक्का-मुक्की हुई।

पुलिसकर्मियों ने जब उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया तो वे घर के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गए। एक घंटे तक सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। सीएम के दौरे को देखते हुए पुलिस ने कई और सपा नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया।

आजाद समाज पार्टी का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में नारेबाजी, बोले- थाने ले जाकर पुलिस धमका रही

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज और दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में शनिवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) भाईचारा कमेटी ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। पार्टी पदाधिकारियों ने दोपहर करीब 2:30 बजे जिला मुख्यालय पहुंचकर छात्रों की मांगों के समर्थन में आवाज उठाई और सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान आजाद समाज पार्टी के जिला संयोजक सरताज खान, मुनव्वर हुसैन, अय्यूब मंडल, भाव पाठक (अध्यक्ष) समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने छात्रों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की।

पार्टी नेता अनीस अहमद ने मीडिया से बातचीत के दौरान शासन-प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और ज्ञापन देने का अधिकार सभी नागरिकों को है, लेकिन पुलिस बलपूर्वक इस अधिकार का दमन कर रही है।

अनीस अहमद का आरोप है कि पिछले दो दिनों से पुलिस लगातार पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को निशाना बना रही है। उनके मुताबिक, जिला संयोजक को शनिवार सुबह करीब आठ बजे घर से उठाकर द्वारकागंज पुलिस चौकी ले जाया गया और उन्हें हाउस अरेस्ट जैसी स्थिति में रखा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अन्य कार्यकर्ताओं को भी थानों में ले जाकर डराने-धमकाने का प्रयास किया गया। अनीस अहमद ने दावा किया कि प्रशासन की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों और वाहनों को रोकने के प्रयासों के बावजूद बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता डीएम कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। पार्टी नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 14 वर्षों से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने करोड़ों युवाओं और छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया जा रहा है।

आजाद समाज पार्टी ने राष्ट्रपति के माध्यम से केंद्र सरकार और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि छात्रों की शिकायतों पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए, उनकी समस्याओं का समाधान निकाला जाए और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। पार्टी का कहना है कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने वालों के साथ किसी भी प्रकार की सख्ती लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है।

मथुरा में दिनदहाड़े 80-85 लाख के सोने की लूट

तमसा संकेत, संवादाता

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में दिल्ली हाईवे स्थित गोवर्धन चौराहे के निकट रविवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने एक बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया। बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यापारी के कर्मचारी से करीब 80 से 85 लाख रुपये मूल्य का सोना लूट लिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के अनुसार, गोवर्धन चौराहे से लगभग 200 मीटर दूर जैन मंदिर के सामने राजस्थान निवासी व्यापारी के कर्मचारी गौरव से बाइक सवार बदमाशों ने सोने की धातु से भरा बैग लूट लिया। वारदात व्यस्त दिल्ली हाईवे पर होने से लोगों में दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), एसपी सिटी, क्षेत्राधिकारी (सीओ), थाना हाईवे पुलिस, स्वाट और एसओजी टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान कर्मचारी समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पुलिस सभी पहलुओं, जिनमें संभावित आंतरिक संलिप्तता भी शामिल है, पर जांच कर रही है। हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक किसी भी संभावना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

एसएसपी के निर्देश पर बदमाशों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस दिल्ली हाईवे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान और उनके फरार होने के रास्ते का पता लगाया जा सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के जल्द खुलासे के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

जिला कारागार में अब चलेगा पावरलूम

ओडीओपी योजना को बढ़ावा देने की पहल

- बंदियों को मिलेगा हुनर निखारने और रोजगार से जुड़ने का मौका

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला कारागार अकबरपुर में शुक्रवार को दो पावरलूम सेट की शुरुआत की गई। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने पावरलूम का उद्घाटन किया। इस पहल के जरिए कारागार में निरुद्ध बंदियों को हथकरघा और वस्त्र निर्माण से जुड़े कार्यों में प्रशिक्षण के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद के एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए

जिला कारागार में पावरलूम स्थापित किए गए हैं। इनकी स्थापना बलरामपुर चीनी मिल के सीएसआर फंड और उद्योग विभाग के सहयोग से की गई है। अधिकारियों के अनुसार, पावरलूम संचालन से बंदियों को वस्त्र निर्माण की तकनीकी जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा। इससे वे अपनी कार्यक्षमता को बेहतर कर सकेंगे और भविष्य में रोजगार से जुड़ने के लिए तैयार हो सकेंगे। जिला कारागार में शुरू की गई यह व्यवस्था बंदियों को नए कौशल सीखने का अवसर देगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

प्रह्लाद जोशी देश के नए...

कर्नाटक के विजयपुर में 27 नवंबर 1962 को जन्मे प्रह्लाद साल 2004 से धारवाड़ क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. जोशी के पिता वेंकटेश जोशी भारतीय रेलवे में कर्मचारी थे. वह एक मध्यमवर्गीय ब्रह्मण परिवार से आते हैं. उनकी तीन बेटियां हैं.

प्रह्लाद जोशी की पढ़ाई-लिखाई की बात करें, तो शुरुआती शिक्षा रेलवे स्कूल और न्यू इंग्लिश स्कूल, हुबली में हुई. इसके बाद कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़ के केएस आर्ट्स कॉलेज से बीए किया. उन्होंने बैचलर डिग्री हासिल करने के बाद सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी.

प्रह्लाद जोशी की राजनीतिक यात्रा लगभग तीन दशक लंबी रही है. वह युवावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे. इसके बाद भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय हुए और जमीनी स्तर पर संगठन के लिए काम किया. 1990 के दशक में हुबली ईदगाह मैदान पर तिरंगा फहराने के आंदोलन और 'कश्मीर बचाओ' अभियान के कारण उनकी पहचान बढ़ी.

भाजपा संगठन में जिम्मेदारियों की बात करें, तो वह 1995 से 1998 तक भाजपा, धारवाड़ जिला अध्यक्ष रहे. इसके बाद 1998–2003 तक भाजपा, धारवाड़ जिला महासचिव और बाद में कर्नाटक भाजपा के महासचिव बने. इसके बाद 2013–2016/17 के दौरान कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे और राज्य में पार्टी संगठन को मजबूत करने का कार्य किया.

प्रह्लाद जोशी साल 2004 में पहली बार धारवाड़ से लोकसभा सांसद निर्वाचित हुए. इसके बाद 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार चुनाव जीतकर पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे. साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूसरी सरकार में वह संसदीय कार्य, कोयला और खनन मंत्री बनाए गए. मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई.

प्रधान करप्शन का सिं...

राहुल ने कहा- "हमारा शिक्षा सिस्टम, जिसे कभी दुनिया भर में अच्छा माना जाता था, उस पर हमले हो रहे हैं, उस पर कब्जा किया जा रहा है। उसका निजीकरण किया जा रहा है। इसमें जितनी गलती पीएम की है। उतनी ही RSS की है।"

राहुल ने कहा- छात्रों पर हुई हिंसा के लिए अमित शाह सीधे जिम्मेदार हैं। छात्रों पर चलाई गई पैलेट गन के लिए जिम्मेदार हैं। हम यह नहीं स्वीकार कर सकते कि पुलिस छात्रों पर इस तरह का एक्शन ले।

इससे पहले दिन में भी पेपर लीक मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था, 'शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटना ही होगा। सरकार सोच रही है उनका मंत्रालय बदल दिया जाए, लेकिन यह मंजूर नहीं।'

राहुल गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी को युवाओं से माफी मांगनी ही होगी। वे भारत के अतीत हैं और अतीत कभी भविष्य से लड़ नहीं सकता।'

उनके साथ लेफ्ट संगठन AISA की छात्राएं भी थीं। तीनों ने जंतर-मंतर पर 23 दिन की भूख हड़ताल की थी। इससे पहले राहुल ने शुक्रवार को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें 20 जुलाई के छात्र प्रदर्शन में घायल एक युवक को साथ लेकर आए थे।

आगरा में बनेगा इंटरने...

दौरान उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉलों की जानकारी ली और अधिकारियों से योजनाओं के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में मौजूद बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया । साथ ही सीएम योगी ने एक कार्यक्रम के दौरान एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार कराया। इस दौरान उन्होंने चांदी की चम्मच से बच्चे को खीर खिलाकर अन्नप्राशन की रस्म पूरी कराई। सीएम योगी ने कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख दोहराते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बहन-बेटियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग बहन-बेटियों या व्यापारियों पर बुरी नजर डालते हैं, उनकी जगह या तो जेल में है या फिर जहन्नुम में। प्रदेश में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। सीएम ने कहा- चरण की इस धरा पर एक बार फिर से आने का अवसर प्राप्त हुआ है, इस धरा को नमन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं इस अवसर पर आप सब का हृदय से अभिनंदन करता हूं। आज की 53 विकास की इन परियोजनाओं के लिए आप सभी को मैं हृदय से बधाई देता हूं, आप सब के प्रति अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगरा में एयरपोर्ट ही नहीं बनेगा कि बल्कि हम यहां पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। आगरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने अपने संबोधन की शुरुआत 'राधे-राधे' कहकर की। ब्रज संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए उन्होंने मंच से उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री के संबोधन के साथ ही कार्यक्रम स्थल 'राधे-राधे' के जयघोष से गूंज उठा। फतेहपुर सीकरी से सांसद राजकुमार चाहर ने सीएमयोगी के सामने क्षेत्र में आलू प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। सांसद ने कहा कि आगरा और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आलू का उत्पादन होता है, लेकिन प्रसंस्करण इकाइयों के अभाव में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। सांसद राजकुमार चाहर ने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि क्षेत्र में आलू प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होती है तो किसानों को अपनी उपज का बेहतर दाम मिलेगा।

झंडू कुमार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज, 190 केजी का वजन उठाया, बॉक्सिंग में जादुमणि जीते

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल

जीत

ग्लासगो, एजेंसी

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए। इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावर-लिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। 2023 में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। पहली

बार में कोई सफल लिफ्ट नहीं लगा सके, लेकिन उनकी प्रतिभा पर पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट राजिंदर सिंह राहेलू की नजर पड़ी। इसके बाद SAI सेंटर में ट्रेनिंग मिली और करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया। 2017 में पैरा एथलेटिक्स से शुरुआत करने वाले जंडू ने बाद में पावरलिफ्टिंग को चुना। नेशनल रिकॉर्ड बनाया, वर्ल्ड कप और एशियन-ओशिनिया चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीता।

झंडू कुमार ने जीता ब्रॉन्ज, भारत का खाता खोला

28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले।

तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

प्रधानमंत्री ने बधाई दी

बिहार के नालंदा के पैरालिफ्टर के कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने X पर लिखा, 'झंडू कुमार का शानदार प्रदर्शन। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का पदकों का खाता खोला। इस उपलब्धि पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई।' उनकी सफलता अद्भुत ताकत, अटूट संकल्प और वर्षों की अनुशासित मेहनत का प्रमाण है।

बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में झंडू कुमार बचपन से पोलियो से प्रभावित थे। परिवार की मदद के लिए उन्होंने सड़क किनारे पिता के साथ आलू-प्याज बेचे और कोविड के दौरान ई-रिक्शा चलाकर रोजी-रोटी कमाई। अब वही खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीत चुका है।

सुधीर छठे, कस्तूरी लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं

पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत के सुधीर 183 किलोग्राम की लिफ्ट के साथ छठे स्थान पर रहे। महिला हेवीवेट वर्ग में कस्तूरी राजामणि तीनों प्रयासों में असफल रहीं और कोई लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं।

कॉमनवेल्थ गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी

मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने तिरंगा लेकर भारतीय दल की अगुआई

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुई। ओवो हाइड्रो एरिना में दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने तिरंगा लेकर 125 सदस्यीय भारतीय दल की अगुआई की।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने खेलों का उद्घाटन किया। इसके बाद भारत समेत 74 देशों के खिलाड़ियों ने मार्च-पास्ट में हिस्सा लिया। भारत के लिए खेलों की शुरुआत भी शानदार रही। उद्घाटन समारोह से पहले ही भारतीय खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में दो जीत दर्ज कर विजयी आगाज किया। पुतुल सोनोवाल ने वर्ल्ड चैम्पियन

कनाडा के रेयान बेस्टर को मात दे दी। महिला डबल्स में रूपा रानी तिर्की और पिंकी ने भी अपना पहला मैच जीता। भारतीय जोड़ी ने 'ग्रुप बी' के मैच में माल्टा की रिक्कसन बहनों (रेबेका लुईस और कोनी-लेघ) को टाईब्रेकर में हराया।

वहीं भारतीय ध्वजवाहक लवलीना बोरगोहेन महिला 75 किलोग्राम वर्ग में सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण बिना मुकाबला खेले ही कम से कम ब्रॉन्ज पक्का कर चुकी हैं।

एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट इवेंट का शेड्यूल जारी

भारत की मेंस-विमेंस टीम की सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट के ड्रॉ और ग्रुप घोषित कर दिए गए। भारतीय मेंस और विमेंस टीमों ने सीधे नॉकआउट (क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली है। इस बार क्रिकेट टूर्नामेंट के सभी मुकाबले जापान के नागोया में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

विमेंस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 17 से 22 सितंबर तक किया जाएगा। इसके बाद मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से शुरू होगा और 1 अक्टूबर तक चलेगा। 2026 एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। वहीं, अफगानिस्तान, हॉन्गकॉन्ग, जापान, मलेशिया, नेपाल और

ओमान की टीमें प्रीलिमिनरी राउंड में खेलेंगी। इससे पहले 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था। मेंस कैटेगरी का फाइनल बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था।

अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में 112/5 रन बनाए थे, जिसके बाद मैच आगे नहीं खेला जा सका। बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को गोल्ड मेडल दिया गया था।

वहीं, महिला क्रिकेट के फाइनल में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 19 रन से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

दूसरे टी20 से पहले इंडिया हाउस पहुंचे श्रेयस अय्यर और पूरी टीम, भारत के उच्चायुक्त ब्रह्मा कुमार ने की टीम इंडिया की मेजबानी

हरारे में टीम इंडिया का शानदार स्वागत

हरारे, एजेंसी

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने हरारे स्थित इंडिया हाउस में भारत के उच्चायुक्त ब्रह्मा कुमार से मुलाकात की। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान कप्तान श्रेयस अय्यर और कार्यवाहक मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण को सम्मानित भी किया गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि हरारे में बिताई गई यह शाम टीम के लिए यादगार रही। बोर्ड ने बताया कि दूसरे टी20 मुकाबले से पहले इंडिया हाउस में टीम इंडिया की मेजबानी की गई।

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित

प्रदर्शन के चलते जिम्बाब्वे की टीम केवल 126 रन ही बना सकी। जवाब में भारत ने यह लक्ष्य 40 गेंद शेष रहते हासिल कर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। उनके अलावा ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी उपयोगी पारियां खेलकर लक्ष्य का पीछा आसान बना दिया।

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी को दबाव में रखा और अपनी वापसी को यादगार बना दिया।

अब सीरीज जीतने का सुनहरा मौका

अब भारतीय टीम की नजर शनिवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाने वाले दूसरे टी20 मुकाबले पर है। यदि टीम इंडिया यह मैच जीतने में सफल रहती है तो तीन मैचों की सीरीज पर 2-0 की अजेय बढ़त के साथ कब्जा कर लेगी। इसके बाद रविवार को खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम मुकाबले में भारतीय टीम क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। दूसरी ओर, पहले मुकाबले में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संघर्ष करने वाली जिम्बाब्वे की टीम के लिए दूसरा टी20 बेहद अहम होगा। सीरीज में बने रहने के लिए मेजबान टीम को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। ऐसे में दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद की जा रही है।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

पहले टी20 मैच में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया। इसके साथ ही उन्होंने अंतर-राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वैभव की तेजतर्रार पारी ने भारतीय टीम को आसान जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी उपयोगी पारियां खेलकर लक्ष्य का पीछा आसान बना दिया। करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी को दबाव में रखा और अपनी वापसी को यादगार बना दिया।

पहले टी20 की जीत से बढ़ा खिलाड़ियों का मनोबल

भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराया था। इस जीत के साथ भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार मिली टी20 सीरीज हार के सिलसिले को भी समाप्त कर दिया।

यह मुकाबला कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी बेहद खास रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान के रूप में यह उनकी पहली जीत थी। सूर्यकुमार यादव के बाद कप्तानी संभालने के बाद शुरुआती दो सीरीज में उन्हें लगातार छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में यह जीत उनके आत्मविश्वास के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मनोरंजन

दीया मिर्जा ने पीएम मोदी पर निशाना साधा

पेपर लीक पर 47 दिन बाद बोले, बच्चों को खोने वाले परिवारों के लिए एक शब्द भी नहीं कहा

नई दिल्ली। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने नीट पेपर लीक विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान को लेकर अपनी निराशा जताई है। सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर करते हुए दीया ने कहा कि पीएम का बयान संवेदनहीन था। उन्होंने सवाल उठाया कि हफ्तों से अनशन पर बैठे छात्रों, विरोध कर रहे युवाओं और अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों के लिए एक भी शब्द क्यों नहीं कहा गया। यह प्रतिक्रिया पीएम मोदी के उस वीडियो मैसेज के बाद आई है, जिसमें उन्होंने फास्ट-ट्रैक कोर्ट और सख्त कानून बनाने का आश्वासन दिया था। दीया ने प्रधानमंत्री के देरी से बोलने पर सवाल उठाते हुए आगे

पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर 2.56 मिनट का एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया। कहा- पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

लिखा, ₹आपको कुछ कहने में 47 दिन लग गए। और अब जब आपने कहा है, तो भी कुछ नहीं कहा। ऐसा कुछ भी नहीं, जो उन लाखों टूटे हुए दिलों को राहत दे सके।

'टूटे दिलों को जोड़ने वाली बात नहीं कही'

दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट शेयर करते हुए सरकार के रवैये की आलोचना की। उन्होंने लिखा, उन माता-पिता के लिए सहानुभूति का एक शब्द भी नहीं, जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया। अपने अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों के संघर्ष, सोनम जी और हफ्तों से भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों के लिए कुछ नहीं कहा गया।

पीएम मोदी ने वीडियो मैसेज में क्या कहा?

मोदी ने गुरुवार आधी रात 12 बजे छात्रों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार पेपर लीक के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान करने वाला कानून बनाएगी। पीएम ने बताया कि कैबिनेट में इससे जुड़े मसौदे पर आज चर्चा होगी और सख्त फैसले लिए जाएंगे। मंजूरी मिलने के बाद इसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा।

अमाल मलिक के तनिष्क बागची पर गंभीर आरोप

कहा- लड़की से शादी का वादा कर अब्यूज किया

मुबंई। सैयारा सॉन्ग कंट्रोवर्सी के चलते सिंगर-कंपोजर तनिष्क बागची और अमाल मलिक के बीच सोशल मीडिया पर विवाद जारी है। अब अमाल ने तनिष्क पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। अमाल ने दावा किया है कि तनिष्क ने टिप्स म्यूजिक कंपनी में काम करने वाली एक लड़की से शादी का वादा किया और बाद में अब्यूज कर छोड़ दिया।

इतना ही नहीं अमाल ने दावा किया है कि वह उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम से धमकी दिलवा रहे हैं। अमाल ने ऑफिशियल X अकाउंट (पहले ट्विटर) पर तनिष्क बागची के लिए लिखा है, 'तुमने मीटू का मामला रफा-

दफा करवा लिया क्या? टिप्स म्यूजिक कंपनी के ए एंड आर डिपार्टमेंट में एक लड़की है। उससे शादी का वादा करके तुमने उसका शोषण किया और फिर उसे छोड़ दिया।

आज तुमने किसी और से शादी कर ली। उस महिला पर तरस आता है जिसने तुम्हारे जैसे सांप को चुना। वह लड़की गहरे सदमे और अवसाद में है, और यह खबर बहुत तेजी से फैलेगी।'

सलमान खान की देर रात क्रिप्टिक पोस्ट

शर्टलेस तस्वीर के साथ लिखा, सलमान डर गया

मुबंई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने देर रात सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की है। जिसे चंद घंटों में ही 1.3 मिलियन से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। सलमान ने इंस्टाग्राम से दो शर्टलेस तस्वीरें शेयर कीं। शर्टलेस तस्वीरें जिम की हैं, जिनमें सलमान जिम इक्विपमेंट के पास खड़े हैं और उनके सिर पर तौलिया डला हुआ है। इन तस्वीरों के साथ सलमान खान ने लिखा है, सलमान खान डर गया, हम्म्म जो डर गया समझो मर गया। सलमान खान इन दिनों जंतर-मंतर में चल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट को सपोर्ट कर चर्चा में हैं। 2 दिन पहले सलमान ने स्टूडेंट का समर्थन करते हुए एक पोस्ट शेयर की और प्रोटेस्ट के हिंसक होने पर निराशा जाहिर की। उन्होंने लिखा- यह एक बेहद शांतिपूर्ण आंदोलन

था। यह देखकर बहुत दुख होता है कि इसे हिंसक मोड़ लेना पड़ा। इस आंदोलन में घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।पेपर लीक एक बहुत गंभीर मुद्दा है। यह देखकर खुशी होती है कि हमारे देश के छात्र बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग के लिए एकजुट होकर सामने आए हैं और उनके माता-पिता ने भी उनका साथ दिया है। आगे सलमान खान लिखते हैं, 'मैं छात्रों के इस कदम की दिल से सराहना करता हूं।

प्रोटेस्ट पर सवाल पूछे जाने पर भड़के राघव

कहा- ये पूछने की हिम्मत वहां करो जहां वाकई पूछना चाहिए, बॉयकॉट की मांग पर दिया रिएक्शन

जयपुर। अपनी आगामी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता और डांसर राघव जुयाल का जयपुर में मीडिया के साथ तीखा संवाद देखने को मिला। फिल्म के प्रमोशनल इवेंट से बाहर निकलते समय एक स्थानीय पत्रकार ने उनसे छात्रों के प्रदर्शन (स्टूडेंट प्रोटेस्ट) को लेकर सवाल किया। इस सवाल पर राघव ने नाराजगी जाहिर करते हुए पत्रकार को जवाब दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही राघव इवेंट से बाहर निकले, एक स्थानीय न्यूज चैनल के रिपोर्टर ने उनके कंधे पर हाथ रखते हुए पूछा कि उन्होंने छात्रों के बीच फिल्म का प्रमोशन तो किया, लेकिन स्टूडेंट प्रोटेस्ट को लेकर कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। इस सवाल के जवाब में राघव ने भी

पत्रकार के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, हिम्मत आप हमसे पूछने में करते हैं, उतनी उनसे किया करो, जिनसे वाकई पूछना चाहिए।₹ उनका यह जवाब मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित करने लगा। इसके बाद राघव वहां से आगे बढ़ गए और बातचीत समाप्त कर दी। राघव जुयाल इन दिनों अपनी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के प्रचार में देश के अलग-अलग शहरों का दौरा कर रहे हैं। जयपुर में हुई यह घटना अब फिल्म के प्रमोशन से ज्यादा चर्चा का विषय बन गई है। सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जबकि राघव की ओर से फिलहाल इस पोस्ट के अलावा कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है।

प्रोटेस्ट पर क्या थी राघव की पोस्ट

राघव जुयाल उन सेलेब्स में शामिल हैं, जिन्होंने सबसे पहले स्टूडेंट प्रोटेस्ट से जुड़ी पोस्ट शेयर की थी। राघव ने सबसे पहले भगत सिंह की तस्वीर शेयर कीं और दूसरी पोस्ट में आंदोलन से जुड़े डायलॉग शेयर किए।

वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद लोगों की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ यूजर्स ने राघव के जवाब का समर्थन किया, जबकि कुछ ने उनके व्यवहार की आलोचना करते हुए सवाल उठाए। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने राघव जुयाल के खिलाफ #BoycottRaghavJuyal जैसे हैशटैग चलाने शुरू कर दिए। कई यूजर्स ने उनकी आने वाली फिल्म का बहिष्कार करने की भी अपील की।

रिपोर्टर ने जब दोबारा कहा कि वह छात्रों के बीच आए हैं, इसलिए इस मुद्दे पर उनका पक्ष जानना चाहते हैं, तो राघव ने पलटकर जवाब दिया, "मैंने इंस्टाग्राम पर डाला हुआ है, आप वो पढ़ लीजिए। इतनी हिम्मत वहां दिखाते, जहां दिखाना है।

चीन-रूस जंग में आए तो अंजाम बुरा होगा : ट्रम्प

पुतिन-जिनपिंग ने मुझे यकीन दिलाया, वे ईरान को हथियार नहीं देंगे

धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चीन या रूस ईरान युद्ध में शामिल हैं। हालांकि उन्होंने धमकी दी कि अगर दोनों देशों ने इस युद्ध में दखल दिया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे और यह उनके लिए अच्छा नहीं होगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हाल ही में बीजिंग में हुई उनकी मुलाकात के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया था कि वे किसी भी हाल में ईरान को हथियार नहीं देंगे। चीनी कंपनियों के लिए भी यही चीज लागू है। ट्रम्प ने कहा मुझे जिनपिंग पर यकीन है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने

भी उनसे कहा था कि वे ईरान को हथियार नहीं बेचेंगे। ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन जंग के बावजूद उनकी पुतिन से बातचीत जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सीधे यूक्रेन को हथियार नहीं बेचता, बल्कि नाटो देशों को बेचता है। नाटो देश इन हथियारों की पूरी कीमत चुकाते हैं। उसके बाद वे इन्हें किस तरह आगे भेजते हैं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं होती। 2011 में ट्यूनीशिया से शुरू हुई अरब क्रांति की लहर यमन भी पहुंची। उस समय राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह करीब 33 साल से सत्ता में थे। युवाओं के प्रदर्शन की वजह से उनकी गद्दी छीन गई। फरवरी 2012 में अब्दरब्बू मंसूर हादी राष्ट्रपति बने। लेकिन उनकी सरकार कमजोर थी। हूती विद्रोहियों ने इसका फायदा उठाया और सितंबर 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि 2015 में राष्ट्रपति हादी को देश छोड़कर सऊदी अरब में शरण लेनी पड़ी। हादी के पद छोड़ने के बाद से यमन पर किसी एक सरकार का कंट्रोल नहीं है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स...

1. नेतन्याहू अमेरिका जाएंगे, जंग के बाद पहली बार ट्रम्प से मुलाकातः इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका रवाना होंगे। वह राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ईरान जंग शुरू होने के बाद पहली बार होगी।

2. कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पारः ईरान-अमेरिका में लगातार बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेज उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया है।

3. कुवैत में 3 अमेरिकी ठिकानों पर हमलाः ईरान ने शुक्रवार को कुवैत में मौजूद अमेरिका के तीन सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमला किया है। इसमें कैंप अरिफजान, कैंप दोहा और कैंप अदैरी को निशाना बनाया गया।

4. ईरान बोला- अमेरिका के आगे नहीं झुकेंगेः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के सामने झुकेगा नहीं और उसकी धमकियां भी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने यह बयान किर्गिस्तान में SCO के विदेश मंत्रियों की बैठक में दिया।

5. होर्मुज में 28 क्रू मेंबर्स वाले LPG टैंकर पर हमलाः ईरान के जलक्षेत्र में एक LPG टैंकर पर हमला हुआ। मोजाम्बिक के झंडे वाला यह टैंकर दिशा 28 भारतीय चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा था। भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि सभी भारतीय सुरक्षित हैं।

हूती विद्रोही कौन हैं?

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग में अब हूती विद्रोहियों की भी एंट्री हो गई है। हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान कर दिया है।

हूती विद्रोही यमन के उत्तरी हिस्से में रहने वाले जायदी शिया समुदाय का एक सशस्त्र संगठन है। इसकी शुरुआत 1990 के दशक में एक धार्मिक-सामाजिक आंदोलन के रूप में हुई थी। हूती सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाते थे।

चीन में कार-कैंपिंग' का नया ट्रेंड, हाई-टेक ईवी बने 'बेडरूम'

होटल का खर्च बचा रहे युवा, वीटूएल तकनीक से गाड़ियों में टीवी

बीजिंग, एजेंसी

चीन में इकोनॉमिक सुस्ती के बीच युवा महंगे विदेशी दौरों या 5-स्टार होटलों के बजाय वीकेंड पर कार-कैंपिंग को सस्ता और रोमांचक विकल्प मान रहे हैं। इस ट्रेंड ने चीन में मल्टी बिलियन डॉलर की एक नई कैंपिंग इकोनॉमी को जन्म दिया है। बजट के प्रति सचेत रहने वाले चीनी पर्यटक अब होटलों में भारी भरकम किराया चुकाने के बजाय हाई-टेक ईवी को ही 'पहियों पर चलता-फिरता बेडरूम' बनाकर कार-कैंपिंग कर रहे हैं। उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत के रहने वाले दंपति जुन्या झेन और जी कुई ने साल 2023 में अपनी टीचिंग की नौकरी छोड़ दी और पूरे देश की यात्रा पर निकल पड़े। यह दंपति महीनों अपनी चीनी कार निर्माता कंपनी ग्रेट वॉल मोटर की हाइब्रिड एसयूवी 'वेय लानशान' में सोकर और सफर करके बिताता है। वे अपनी इस अनूठी रोड-ट्रिप

और कार-कैंपिंग के कारनामों को सोशल मीडिया पर शेयर भी करते हैं। दिन के समय यह जोड़ा लगातार सफर में रहता है। वे गाड़ी चलाते समय लाइवस्ट्रीमिंग करते हैं, रास्ते में दोपहर का भोजन बनाते हैं और कार की पिछली सीटों को पूरी तरह से फ्लैट करके आरामदायक बिस्तर बनाकर झपकी लेते हैं। उनका सफर दक्षिण-पश्चिम चीन के बेहद लोकप्रिय पर्यटन स्थल युन्नान प्रांत से लेकर पास के तिब्बत के सुदूर और सुनसान इलाकों तक फैला हुआ है। लोग उनकी इस लाइफस्टाइल को बेहद पसंद कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

कनाडा में पंजाबी युवती गिरफ्तार

जालंधर। पंजाबी मूल की 27 साल की युवती ने कनाडा में रेंट के नाम पर 17 लोगों से 41 लाख रुपए (60 हजार डॉलर) ठग लिए। युवती ने सोशल मीडया प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग लोकेशन पर मकान दिखाए थे। हर मकान का 1700 डॉलर के करीब रेंट बताया गया। लोगों ने सोशल मीडिया पर ही मकान देख युवती से बात की। उसने लोगों को झांसे में लेकर पेमेंट ले ली। जब लोग दिए गए पतों पर अपना-अपना सामान लेकर पहुंचे तो उन्हें झटका लगा।

सेंसेक्स 331 अंक गिरकर 76,059 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 24 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 331 अंक की गिरावट के साथ 76,059 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 102 अंक की गिरावट है, ये 23,767 के स्तर पर बंद हुआ। ऑटो, मेटल और रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। ब्रेंट क्रूड आज 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है।

अमेरिका-ईरान तनाव से कच्चा तेल 98 डॉलर पार

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड आज 23 जुलाई को 4% बढ़कर 98 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। यह पिछले 6 हफ्तों में सबसे ज्यादा है। वहीं अमेरिकी क्रूड भी 89 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारत में महंगाई बढ़ सकती है। कच्चे तेल के महंगे होने से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के फ्यूल मार्जिन पर दबाव बढ रहा है।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही

सोना ₹2,622 बढ़कर ₹1.44 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,622 रुपए बढ़कर 1.44 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 18 जुलाई को 1.41 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.15 लाख रुपए किलो से बढ़कर 2.23 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 7,247 रुपए बढ़ी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.44 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 7 हजार

रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.23 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए।

प्रधानमंत्री पर सुप्रीम कोर्ट में दखल का आरोप

3 जजों पर इस्तीफे का दबाव बना रहे बालेन शाह, अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने चेतावनी दी

■ नेपाल के मुख्य न्यायधीष मनोज कुमार शर्मा ने मई 2026 में पद की शपथ ली।

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर सुप्रीम कोर्ट को अपने पक्ष में करने की कोशिश के आरोप लगे हैं। तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स (ICJ) ने संयुक्त बयान जारी कर यह आरोप लगाए हैं। संगठनों का कहना कि सरकार तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों पर इस्तीफा देने का दबाव बना रही है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ महाभियोग लाया जा सकता है। संगठनों का कहना है कि सरकार का मकसद सुप्रीम कोर्ट की संरचना

बदलना है। उनका आरोप है कि हाल के महीनों में ऐसे कई कदम उठाए गए हैं जिनसे अदालत की स्वतंत्रता कमजोर हो सकती है और संवैधानिक मामलों की सुनवाई प्रभावित हो सकती है। बयान में मनोज कुमार शर्मा को नेपाल का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। शर्मा उस समय वरिष्ठता क्रम में चौथे स्थान पर थे। उनसे सीनियर तीन न्यायाधीश को नजरअंदाज कर दिया गया। इसी वजह से विवाद शुरू हुआ। नेपाल में लंबे समय से यह परंपरा रही है कि सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को ही मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है। इस बार इस परंपरा का पालन नहीं किया गया और मनोज शर्मा को तब यह पद दिया गया जब उनसे सीनियर जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, कुमार रेग्मी और हरि फुयाल मौजूद थे। इसके अलावा संगठन का आरोप है कि मनोज कुमार शर्मा के खिलाफ मिली शिकायतों की भी खुली और निष्पक्ष जांच नहीं की गई।

बिना सबूत के जजों पर इस्तीफे का दबाव

बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में शर्मा से तीन सीनियर जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, कुमार रेग्मी और हरि फुयाल पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया जा रहा है। संगठनों का कहना है कि अब तक इन तीनों के खिलाफ ऐसा कोई सार्वजनिक आरोप या ठोस सबूत सामने नहीं आया है, जिससे यह साबित हो कि उन्होंने कोई गंभीर संवैधानिक या कानूनी गलती की है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि नेपाल के संविधान के मुताबिक, किसी न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होते ही उसे तुरंत निलंबित कर दिया जाता है।

नेपाल में 70 साल पुरानी परंपरा टूटी

- नेपाल के संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि सबसे वरिष्ठ जज को ही मुख्य न्यायाधीश बनाया जाएगा।
- संविधान सिर्फ यह कहता है कि जो व्यक्ति आवश्यक योग्यता पूरी करता हो, उसे नियुक्त किया जा सकता है।
- पिछले 70 साल से सबसे सीनियर जज ही मुख्य न्यायाधीश बनने की परंपरा चलती आ रही थी।
- इस साल मार्च में मुख्य न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह राउत के रिटायर होने के बाद सपना प्रधान मल्ला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारी संभाल रही थीं।
- सुप्रीम कोर्ट की सबसे सीनियर जज होने के कारण मल्ला के चीफ जस्टिस होने का दावा सबसे मजबूत था लेकिन संवैधानिक परिषद ने उनके लिए सिफारिश नहीं की।
- इस विवाद को लेकर प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा था कि सिर्फ परंपरा के आधार पर नियुक्तियां नहीं की जानी चाहिए। योग्यता भी जरूरी है।

बीमार हूं, कई बार बेहोश हो जाता हूं, दावा- शेख हसीना से बातचीत की जानकारी लीक हुई

बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा संसद (जातीय संसद) के स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद को सौंपा। राष्ट्रपति ने इस्तीफे की वजह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को बताया है। अपने इस्तीफे में शहाबुद्दीन ने लिखा- मैं लंबे समय से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और किडनी की बीमारी से जूझ रहा हूं। हाल ही में डॉक्टरों ने मुझमें ऑटोनॉमिक न्यूरोपैथी नाम की बीमारी का पता लगाया है। इस बीमारी की वजह से कई बार अचानक कुछ समय के लिए बेहोशी आ जाती है। शारीरिक और मानसिक स्थिति को देखते हुए अब राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की जिम्मेदारियां निभाना संभव नहीं है। पिछले कुछ दिनों से

बांग्लादेशी मीडिया में उनके इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि उन्होंने पूर्व पीएम शेख हसीना से फोन पर बातचीत की कोशिश की थी। इस खबर के बाहर आने के बाद प्रधानमंत्री नाराज हो गए थे। द डेली स्टार ने BNP के एक सीनियर नेता के हवाले से बताया कि शेख हसीना के ऐलान के बाद देश का राजनीतिक माहौल और ज्यादा संवेदनशील हो गया। अगर शेख हसीना की वापसी के दौरान राष्ट्रपति अपने पद पर बने रहते तो वे उनके फायदे के लिए कदम उठा सकते थे और किसी फैसले को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते थे। अगर कोई संवैधानिक विवाद पैदा होता, तो वह उसे संभालने में भूमिका निभा सकते थे। यही वजह रही कि उन पर इस्तीफे का दबाव ज्यादा बढ़ गया।

लंदन दौरे पर शेख हसीना से बातचीत का आरोप

वह 9 मई को इलाज के लिए लंदन गए थे और 18 मई को ढाका लौटे थे। बांग्लादेशी समाचार पत्रों की रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत की थी। जैसे ही इस बातचीत की भनक बीएनपी (BNP) के शीर्ष नेतृत्व को लगी, उन्होंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। इसके बाद राष्ट्रपति तक यह मैसेज पहुंचाया कि शेख हसीना से संपर्क साधना या बातचीत करना मौजूदा राजनीतिक माहौल में स्वीकार्य नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

हसीना के देश छोड़ने के बाद भी पद नहीं छोड़ा था

मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। उस आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद शहाबुद्दीन ही अवामी लीग सरकार के दौर के एकमात्र संवैधानिक पदाधिकारी थे, जो 2 साल बाद भी पद पर बने हुए थे। अखबार प्रोथोम आलो ने भी सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि सरकार इस बात से नाराज है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में शेख हसीना से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की थी।

'शेख हसीना के ऐलान की वजह से कुर्सी गई'

शहाबुद्दीन का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ दिन पहले रॉयटर्स से कहा था कि वह भारत में निर्वासन खत्म कर बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत में चल रही कानूनी कार्रवाई का सामना करेंगी। शेख हसीना के इस ऐलान के बाद सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के नेताओं ने राष्ट्रपति शहाबुद्दीन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ा दिया।

2026 ब्रेजा मारुति सुजुकी की सबसे सेफ एसयूवी

भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी दोनों के लिए 5-स्टार रेटिंग मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी की पॉपुलर SUV ब्रेजा कंपनी की सबसे सेफ कार बन गई है। भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (BNCAP या भारत NCAP) के क्रैश टेस्ट में इसे एडल्ट और चाइल्ड दोनों की सेफ्टी के लिए 5-5 स्टार रेटिंग मिली है, जो इसके सभी वैरिएंट्स पर लागू होगी। कंपनी इस कार को कल यानी 24 जुलाई 2024 को लॉन्च करेगी। भारतीय एजेंसी के क्रैश टेस्ट रिजल्ट के अनुसार, अपकमिंग 2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा को एडल्ट सेफ्टी के लिए 32 में से 30.41 और चाइल्ड सेफ्टी के लिए 49 में से 43 पॉइंट मिले हैं। इससे पहले मारुति की डिजायर को एडल्ट के लिए 29.46 और चाइल्ड सेफ्टी के लिए 41.57 पॉइंट मिले थे। हालांकि, मारुति विक्टोरिस और ग्रैंड विटारा को बच्चों की सेफ्टी के लिए सबसे

ज्यादा 44 पाइंट मिल चुके हैं। इस टेस्ट में 18 महीने और एक 3 साल के बच्चे की डमी को चाइल्ड रेस्ट्रेंट सिस्टम पर उल्टी दिशा की तरफ रखा गया। मारुति ब्रेजा को चाइल्ट प्रोटेक्शन कैटेगरी में 49 में से 43 अंक मिले, जिससे इस कैटेगरी में 5 स्टार क्रैश टेस्ट रेटिंग मिली। इस कैटेगरी में कार डायनामिक स्कोर 24 में से 24, चाइल्ड रेस्टरेंट सिस्टम (CRS) इंस्टॉलेशन स्कोर 12 में से 12 और व्हीकल असिसमेंट स्कोर 13 में से 7 रहा। क्रैश टेस्ट में 3 साल के बच्चे की डमी ने फ्रंटल क्रैश टेस्ट में 8 में से 8 अंक और साइड क्रैश टेस्ट में 4 में से 4 अंक हासिल किए।

प्रोसेस : मिस्ड कॉल और एसएमएस सहित 4 तरीकों से पता कर सकते हैं ढा बैलेंस, देखें इसकी प्रोसेस

पीएफ का ब्याज अकाउंट में आना शुरू हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी EPFO ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए PF अकाउंट होल्डर्स के खातों में 8.25% की दर से ब्याज डालना शुरू कर दिया है। कई सब्सक्राइबर्स को ब्याज का पैसा क्रेडिट होने के SMS मैसेज भी मिलने लगे हैं। हालांकि, अगर आपको अभी तक EPFO से कोई मैसेज नहीं मिला है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। ब्याज क्रेडिट करने का प्रोसेस चालू है। हालांकि SMS का इंतजार करने के बजाय, आप कई ऑफिशियल तरीकों से अपना PF बैलेंस चेक करके यह आसानी से पता लगा सकते हैं कि ब्याज आया है या नहीं। आप 4 आसान तरीकों से चेक कर सकते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए

आपका PF ब्याज जमा हुआ है या नहीं। इसे एक सीधे उदाहरण से समझा जा सकता है। अगर किसी कर्मचारी के पीएफ खाते में कुल एलिजिबल मेंबर बैलेंस 1 लाख रुपए हैं, तो नए नियम के मुताबिक 25 हजार (25%) को खाते में ही छोड़ना अनिवार्य होगा। इस राशि को निकालने की अनुमति नहीं होगी। इसके बाद जो शेष 75 हजार (75%) बचेंगे, उसे ही निकाल सकेंगे। EPFO जल्द ही ATM और UPI के जरिए फंड निकालने की सुविधा शुरू करने जा रहा है। EPFO 3.0 पहल के तहत 7.8 करोड़ सब्सक्राइबर्स को बिना किसी कागजी कार्रवाई के फंड तुरंत मिल सकेगा। ये सिस्टम लागू होने के बाद PF से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं यूजर फ्रेंडली हो जाएंगी। इसमें ऑटो-क्लेम सेटलमेंट और कर्मचारी की पसंद के बैंक खाते में सीधे फंड ट्रांसफर करने जैसी सुविधाएं शामिल हैं। EPFO 2.0 में पहले ही कुछ सुधार हुए थे, लेकिन 3.0 को गेम-चेंजर माना जा रहा है।

अब पीएफ अकाउंट से 75% पैसा निकाल सकेंगे

EPFO ने हाल ही में PF का पैस निकालने को लेकर नियमों में बदलाव किए हैं। नए नियमों के तहत अब कोई भी EPFO मेंबर अपने PF अकाउंट से पूरा पैसा आंशिक निकासी के रूप में नहीं निकाल सकेगा। अब ग्राहकों को अपने पीएफ अकाउंट में कुल 'एलिजिबल मेंबर बैलेंस' का कम से कम 25% हिस्सा PF अकाउंट में रखना होगा।

88 करोड़ की ठगी के मास्टरमाइंड का प्रत्यर्पण

यूएई से भारत लाया गया अविनाश राठौड़

मुंबई, एजेंसी

मुनाफे का लालच देकर निवेशकों से करोड़ों रुपये की कथित ठगी करने वाले एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के मुख्य आरोपी अविनाश राठौड़ को पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रिया के बाद संयुक्त अरब अमीरात से भारत प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। करीब 88 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के इस हाई-प्रोफाइल मामले में आरोपी लंबे समय से फरार था और उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। पुलिस के अनुसार, मामले में वर्ष 2023 में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत 20 अप्रैल 2023 को दर्ज

कराई गई थी, जिसके बाद जांच आर्थिक अपराध शाखा, पुणे शहर को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि बाणेर स्थित एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के संचालक अविनाश राठौड़ और उनकी पत्नी विशाखा अविनाश राठौड़ ने निवेशकों को कम समय में अधिक और आकर्षक रिटर्न देने का वादा किया। लोगों से विधिवत निवेश समझौते किए गए, लेकिन बाद में उन समझौतों का पालन नहीं किया गया और निवेशकों की रकम वापस नहीं की गई। शिकायतकर्ता ने कंपनी में 86 लाख 37 हजार 500 रुपये का निवेश किया था, जिसे वापस नहीं किया गया। जांच आगे बढ़ने पर यह स्पष्ट हुआ कि केवल एक निवेशक ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों से इसी तरह निवेश कराया गया और कुल मिलाकर करीब 88 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। मामला दर्ज होने के बाद अविनाश और उसकी पत्नी विशाखा फरार हो गए। पुलिस को आशंका थी कि दोनों देश छोड़कर विदेश भाग सकते हैं। इसी को देखते हुए 24 अप्रैल 2024 को दोनों आरोपियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकािशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676